हिन्दी दैनिक/डिजिटल

स्टार एक्सप्रेस

सोच..... बदलते भारत की

www.starexpress.news

संक्षिप्त समाचार

आप ने कर्नाटक में उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की

(एजेंसी) बेंगलुरु। आम आदमी पार्टी की कर्नाटक इकाई ने 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की तीसरी सूची सोमवार को जारी की। इस सूची में 28 नाम हैं। सभी उम्मीदवार पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। पार्टी ने एक बयान में दावा किया कि न सिर्फ उसने अब तक सबसे ज्यादा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है बल्कि 224 विधानसभा क्षेत्रों में से 168 सीटों पर लोगों को ईमानदार विकल्प प्रदान किया है। इसमें कहा गया है कि आप ने सबसे ज्यादा किसानों, युवाओं, महिलाओं और शिक्षित पेशेवरों को टिकट दिया है। आम आदमी पार्टी ने कहा, हमारे उम्मीदवारों की जीतने की संभावना तय करने का पैमाना उनकी ईमानदारी और सेवा भाव है न कि बाहु बल। कर्नाटक के लोग तीनों पारंपरिक पार्टियों से त्रस्त हो चुके हैं।

कुछ मौजूदा विधायक टिकट गंवाने वाले हैं

(एजेंसी) बेंगलुरू। पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी संसदीय बोर्ड के सदस्य बी.एस. येदियुरप्पा ने सोमवार को कहा कि कर्नाटक में चुनाव लडने के इच्छुक बीजेपी के कुछ मौजूदा विधायक इस बार टिकट गंवा सकते हैं। नयी दिल्ली में संवाददाताओं से बात करते हुए येदियुरप्पा ने कहा कि 170 से 180 उम्मीदवारों की सूची एक और दौर की बातचीत के बाद शाम तक जारी की जाएगी। एक सवाल का जवाब देते हुए कि क्या सभी मौजूदा विधायकों को टिकट मिलने वाला है, येदियुरप्पा ने कहा कि कुछ को छोडकर अन्य को टिकट मिलने वाला है। टिकटों के ऐलान से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक बैठक हुई।

लोकसभा से अयोग्य ठहराए जाने के बाद राहुल आज करेंगे वायनाड का पहला दौरा

(एजेंसी) नई दिल्ली। लोकसभा से अयोग्य घोषित होने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र वायनाड का दौरा करेंगे, जहां वह रोड शो करेंगे। कांग्रेस उनका भव्य स्वागत करने और शक्ति प्रदर्शन करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। दोषसिद्धि पर गांधी की अपील पर सूरत की अदालत में 13 अप्रैल को सुनवाई होगी। वह जमानत पर है, जिसे गुजरात के सत्र न्यायालय ने बढा दिया था। अदालत इस मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ उनकी अपील पर 13 अप्रैल को सुनवाई करेगी। 23 मार्च को सूरत की एक निचली अदालत ने उन्हें भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी द्वारा दायर एक मामले में पूरे मोदी समुदाय को बदनाम करने का दोषी पाया।

हम आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं

(एजेंसी) पणजी। गोवा के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने सोमवार को कहा कि देश में कोविड-19 के बढते मामलों के मद्देनजर राज्य में स्वास्थ्य सुविधाएं किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। राणे ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कोरोनो वायरस के बढते मामलों के बीच अस्पतालों में राष्ट्रव्यापी मॉक ड्रिल के तहत राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने पत्रकारों से कहा, हम किसी भी कोविड-19 आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। समीक्षा के दौरान राज्य के स्वास्थ्य सचिव अरुण मिश्रा, जीएमसीएच के डीन डॉ शिवानंद बांदेकर और अन्य लोग भी उपस्थित थे।

सीएम योगी ने नेशनल क्लाइमेट कॉन्क्लेव 2023 का किया उद्घाटन

जलवायु परिवर्तन पर जताई चिंता, कहा, पहली बार मानसून बाढ़ अक्टूबर में आई

(संवाददाता)

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजधानी लखनऊ में आज 2 दिवसीय नेशनल क्लाइमेट कॉन्क्लेव-2023 के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे।

यह कार्यक्रम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मर्करी हाल में हो रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव भी मौजूद रहे।

इस कार्यक्रम में संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की राजधानी में आप सबका स्वागत अभिनंदन। वहीं, मुख्यमंत्री ने जलवायु परिवर्तन पर चिंता जाहिर की है। इस कार्यक्रम में संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि भारत की परम्परा हमेशा पर्यावरण हितैषी रही है, हमारे ग्रंथों में भी ये लिखा है।

अथर्ववेद में माता भूमि लिखा है, सभ्य समाज को इसके बारे में बताने की जरूरत नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि, सम्पूर्ण सृष्टि में मां के प्रति भाव अलग है, धरती मां के प्रति हमारे भी दायित्व है। उन्होंने कहा कि पहले अक्सर 15 जून तक मानसून आता था, लेकिन इस बार हमने देखा की जुलाई अगस्त बीत गया, इसके बाद अक्टूबर में मानसून आया, हमकों बाढ़ की त्रासदी देखने को मिली। सीएम ने कहा कि ये पहली बार हुआ कि मानसून और बाढ़ अक्टूबर में आई।सीएम योगी ने कहा कि, मौजूदा समय में ही देखिये मार्च के महीने में ओलावृष्टि हुई। यह सारे क्लाइमेट चेंज के उदाहरण है, मनुष्य के कृत्यो का दुष्परिणाम हमको देखने को मिला। आज दुनिया में इस क्लाइमेट चेंज की बात हो रही है, हमारी लाइफ स्टाइल क्लाइमेट के अनुसार होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तरप्रदेश भारत की सबसे ज्यादा आबादी वाला राज्य है, क्योंकि यहाँ मनुष्य के रहने के लिए अनुकूल मौसम है।

2017 में हम जब सरकार में आए तो हम ने वन महोत्सव शुरु किया, वृक्षारोपण शुरु किये, पहले वर्ष 5 करोड़ का लक्ष्य रखा गया। विगत 6 वर्षों में हमने करीब 135 करोड़ वृक्षारोपण किये, निजी संस्थाओ को थर्ड पार्टी के माध्यम से जोड़ा, आज आमजन की भी मानसिकता बदली जो अब वृक्ष काटने के बारे में नहीं सोचता हैं।

जासूसी के नए उपकरण 'कॉग्नाइट' की खरीद में जुटी है सरकार : कांग्रेस

(एजेंसी)

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि 'न्यूनतम शासन और अधिकतम सेवा' की बात करने वाली मोदी सरकार झूठ के सहारे चल रही है और उसकी असलियत सामने नहीं आए इसलिए 'पेगासस' की बदनामी के बाद अब जासूसी के लिए करोड़ों रुपए की लागत से 'कॉग्नाइट उपकरण की खरीद कर रही है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार को अपने जासूसों पर भरोसा नहीं है इसलिए वह जासूसी संचार उपकरणों पर ज्यादा भरोसा कर रही है। पेगासस को लेकर पोल खुलने के बाद अब वह 'कॉग्नाइट' नाम के जिस नये जासूसी उपकरण को खरीद रही है वह पेगासस का विकल्प है और इसकी खरीद पर आम लोगों का 986 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। उन्होंने व्यापार डाटा के विवरणों को आधार बनाते हुए सरकार से सवाल किया है कि क्या यह सच नहीं है कि रक्षा मंत्रालय के माध्यम से पेगासस के विकल्प के रूप से कॉग्नाइट से कुछ जासूसी श्संचार उपकरणश् खरीदे गये हैं। उनका कहना था कि सरकार को बताना चाहिए कि क्या किसी मंत्रालय ने इस जासूसी उपकरण की खरीद के अनुरोध का प्रस्ताव किया है और यदि किया है तो उस मंत्रालय का नाम सार्वजनिक किया जाना चाहिए। इसमें यह भी खुलासा होना चाहिए कि कॉग्नाइट संचार उपकरण पर कुल कितना खर्च आया है। प्रवक्ता ने उद्योगपति अडानी का नाम लिये बिना कहा कि सरकार शायद अपने 'परम मित्र' को बचाने के लिए यह सारे उपाय कर रही है। इजराइली कॉन्ट्रैक्ट हैकर्स का इस्तेमाल किया और अब देश की राजनीतिक व्यवस्था तथा लोकतंत्र में दखल देने के लिये नये जासूसी उपकरण की तलाश की जा रही है।

जमशेदपुर में फिर भडकी हिंसा

उपद्रवियों ने दुकानें जलाई

(एजेंसी)

जमशेदपुर। झारखंड में रामनवमी के बाद से ही उपद्रवियों की ओर से लगातार अशांति फैलाने की कोशिशें की जा रही है। आखिरकार, जमशेदपुर शहर में फिर से हिंसा भडक गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शहर के शास्त्रीनगर में धार्मिक झंडे के कथित अपमान के आरोपों को लेकर बवाल बढ गया और दो गुटों में हिंसक झडप हो गई। उपद्रवियों ने जमकर पथराव किया और दुकानों में आगजनी की। वाहनों में भी तोड फोड और आगजनी की घटना हुई है। उन्मादी भीड के हमले में कुछ पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं।

बवाल बढता देख आरएएफको लगाया गया है। इलाके में बडी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात हैं। क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक जमशेदपुर में शास्त्री नगर ब्लॉक नंबर 3 स्थित

जटाधारी हनुमान अखाडा का झंडा उतारने के दौरान झंडे के बांस में मांस का टुकडा पाया गया।

यह देखकर हिंदूवादी संगठन भडक उठे. उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद देखते ही देखते दो समुदायों के लोग आमने-सामने आ गए। हालांकि उस समय प्रशासन ने किसी तरह मामला शांत करा दिया लेकिन आरोप है कि रविवार को मंदिर कमेटी के लोग बैठक कर रहे थे।

क्षमा कीजिए, हम हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे...

अग्निपथ स्कीम पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई मुहर

(एजेंसी) नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार की सशस्त्र बल में भर्ती से जुडी अग्निपथ योजना को सही ठहराने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली दो याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड, न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की एक पीठ ने कहा कि अग्निपथ योजना की शुरूआत से पहले रक्षा बलों में शारीरिक तथा चिकित्सकीय जांच सहित विभिन्न भर्ती प्रक्रियाओं के माध्यम से चुने गए अभ्यर्थियों को नियुक्ति का अधिकार नहीं है। उच्च न्यायालय ने सभी पहलुओं पर गौर किया है। इसके साथ ही पीठ ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दाखिल की गई दो याचिकाओं को खारिज कर दिया। ये याचिकाएं गोपाल कृष्ण और अधिवक्ता एमएल शर्मा ने दाखिल की थीं। साथ ही उच्चतम न्यायालय ने अग्निपथ योजना शुरू होने से पहले भारतीय वायु सेना में भर्ती प्रक्रिया से संबंधित एक अन्य याचिका को 17 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। पीठ ने केंद्र से भारतीय वायुसेना में भर्ती से संबंधित तीसरी याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा। शीर्ष अदालत ने सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए केंद्र की योजना को सही ठहराने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 27 मार्च को सहमति जताई थी।

मुख्तार अंसारी लखनऊ की सीबीआई स्पेशल कोर्ट में पेशी

मनी लॉन्ड्रिंग केस में तय नहीं हो पाए आरोप, अब 19 अप्रैल को फिर होगी सुनवाई

संवाददाता

लखनऊ। माफि या मुख्तार अंसारी की मनी लॉन्ड्रिंग केस में लखनऊ की स्पेशल कोर्ट में पेशी हुई। पेशी के दौरान बाहुबली मुख्तार लखनऊ कोर्ट में मुस्कुराते हुए नजर आया। मनी लॉन्ड्रिंग केस में मुख्तार पर आरोप तय होने थे, लेकिन अभी आरोप तय नहीं हो पाए हैं।

कोर्ट ने 19 अप्रैल को मामले में अगली तारीख दे दी है। इसके बाद मुख्तार को वापस बांदा जेल भेज दिया गया है। सोमवार को मुख्तार को कड़ी सुरक्षा के बीच बांदा जेल से लखनऊ लाया गया। अब्बास अंसारी को भी कोर्ट में पेश करने

का आदेश जारी हुआ है, लेकिन अभी तक वह कोर्ट नहीं पहुंचे हैं।

बता दें कि मुख्तार अंसारी के खिलाफ मार्च 2021 में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज कराया था, जिसके बाद नवम्बर 2021 में बांदा जेल जाकर ईडी के अफसरों ने पूछताछ भी की थी और बयान भी दर्ज किया था। इस मामले में ईडी की टीम मुख्तार के परिवार के अन्य सदस्यों से भी पूछताछ कर चुकी है।

जिसमे मुख्तार के दोनों बेटे, भाई अफजल अंसारी, सिबगतुल्लाह अंसारी व भतीजे से पूछताछ कर चुकी है। मनी लॉन्ड्रिंग केस में मुख्तार का बेटा अब्बास अंसारी चित्रकूट की जेल, साला नैनी सेंट्रल जेल में बंद है।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दोनों की गिरफ्तारी की थी। ईडी जेल भेजे गए दोनों के बयानों को क्रॉस चेक करने के लिए मुख्तार अंसारी को कस्टडी में लेना चाहती थी। दरअसल, इसमें मुख्तार अंसारी पत्नी अफ्शा अंसारी, मऊ विधायक बेटे अब्बास अंसारी और विकास कंस्ट्रक्शन कंपनी के नाम रजिस्ट्री कराई गई है। इसके अलावा और दस जमीनों की रजिस्ट्री का भी जांच से खुलासा हुआ है।

आपको बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी, साले शरजील रजा और विकास कंस्ट्रक्शन कंपनी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। आरोपी मुख्तार की पत्नी अफ्शा अंसारी के खिलाफ भी लुक आउट नोटिस जारी किया गया था।

महाराष्ट्र अकोला स्थित मंदिर में टिन के शेड पर 100 साल पुराना पेड गिरने से सात लोगों की मौत

(एजेंसी)

अकोला महाराष्ट्र के अकोला जिले में तेज हवा और बारिश के कारण एक मंदिर परिसर में टिन के शेड पर पेड गिरने से उसके नीचे खडे सात लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। स्थानीय प्रशासन ने सोमवार को यह जानकारी दी। अकोला की कलेक्टर नीमा अरोडा ने बताया कि घटना रविवार को शाम करीब साढे सात बजे बालापुर तालुका के अंतर्गत पारस गांव में स्थित बाबूजी महाराज मंदिर में हुई, जब लोग वहां 'महा आरतीश् के लिए एकत्रित हुए थे। राज्य के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फड्णवीस ने घटना को लेकर दुख जताया और कहा कि सरकार मृतकों के परिवारों को अनुग्रह राशि प्रदान करेगी। जिले के अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी और घायलों को सरकार के नियमों के अनुसार आर्थिक सहायता राशि दी जाएगी। जिला प्रशासन ने बताया कि तेज हवा और बारिश के कारण करीब 100 साल पुराना पेड टिन के शेड पर गिर गया। घटना के वक्त शेड के नीचे लगभग 40 लोग मौजूद थे। जिला प्रशासन ने एक विज्ञप्ति में बताया कि घटना में पांच पुरूषों और दो महिलाओं की मौत हो गई तथा 23 अन्य घायल हो गए। इनमें से पांच गंभीर रूप से घायल हैं। एक अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी घटनास्थल पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। जिला प्रशासन ने बताया कि घायलों को अकोला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिला प्रशासन ने बताया कि घटना में मारी गई दो महिलाओं की उम्र 50 साल और 55 साल थी जो जलगांव और बुलढाणा से थीं। विज्ञप्ति के अनुसार, मारे गए पांच पुरूषों में से दो की उम्र 55 और 35 वर्ष थी जो अकोला के ही निवासी थे।

यूपी निकाय चुनाव पर बोलीं मायावती

ईवीएम से नहीं बैलेट पेपर से कराए जाएं निकाय चुनाव

❑ अतीक की पत्नी या परिवार के किसी भी सदस्य को निकाय चुनाव में मेयर का टिकट नहीं देगी बसपा

(संवाददाता)

लखनऊ । निकाय चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि निकाय चुनाव बैलेट से कराए जाने चाहिए। ईवीएम से ना कराए जाएं। मायावती ने कहा कि भाजपा इस चुनाव में हर स्तर पर अपना स्वार्थ साधने में लगी है। आरक्षण की जो व्यावस्था की गई है उससे दलित वर्ग सहमत नहीं हैं। गरीबों की योजनाओं में कटौती की गई है। माायवती ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि अतीक के परिवार को टिकट नहीं दी जाएगी। बीएसपी पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी। निकाय चुनाव का फैसला सराहनीय है। मायावती ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि मुसलमानों के प्रति बीजेपी की नीति घातक है। मतदाता बीजेपी के दबाव में ना आएं। विरोधियों के साम दाम दंड भेद से बचें। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि मुसलमानों की स्थिति बदहाल है। दलितों की भी स्थिति बेहद बदहाल है। बीजेपी राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। प्रदेश में सड़कों की स्थिति भी खस्ता है। बहुजन समाज

पार्टी की प्रमुख मायावती ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी गैंगस्टर अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन या उसके परिवार के किसी सदस्य को प्रयागराज से महापौर का टिकट नहीं देगी। मायावती ने पत्रकार वार्ता में एक सवाल के जवाब में कहा, प्रयागराज में पिछले दिनों उमेश पाल की हत्या के मामले में अतीक की पत्नी (शाइस्ता) का नाम आते ही या उसके फरार होने से स्थिति बदल गयी है। ऐसी स्थिति में अब हमारी पार्टी न तो अतीक की पत्नी को और न ही उनके परिवार के किसी अन्य सदस्य को मेयर का टिकट देगी। बसपा प्रमुख ने कहा, इसके अलावा जहां तक अतीक की पत्नी को पार्टी में रखने या न रखने का सवाल है तो उनके पुलिस की गिरफ्त में आते ही इस पर जल्दी ही फैसला कर लिया जायेगा, तब तक इस मामले को लेकर उनके बारे में जो तथ्य है वह भी उभरकर सामने आ जायेगा। हमारी पार्टी कानून से उपर नही हैं और कानून का पूरा पूरा सम्मान करती हैं। मायावती का यह बयान इसलिए महत्तवपूर्ण हैं क्योंकि रविवार को प्रयागराज पुलिस ने उमेश पाल हत्याकांड मामले में माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन, बेटे अली, एक अन्य व्यक्ति मोहम्मद साबिर, राकेश उर्फ नाकेश उर्फ लाला और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ धूमनगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया है। प्रयागराज पुलिस की मीडिया सेल द्वारा रविवार को दी गई जानकारी के मुताबिक, 24 फरवरी, 2023 को उमेश पाल और दो अन्य पुलिसकर्मियों की हत्या के संबंध में धूमनगंज थाने में दर्ज प्राथमिकी की विवेचना के दौरान अभियुक्त राकेश उर्फ नाकेश उर्फ लाला को पुलिस रिमांड पर लिया गया था। अभियुक्त राकेश ने पूछताछ में बताया कि उसने शाइस्ता परवीन द्वारा दिए गए बैग को छुपाया था। इस अभियुक्त की निशादेही पर बरामद हुए सामानों में अली अहमद की फोटो लगे दो आधार कार्ड भी थे।

CMYK

संपादकीय

तेल की तपिश

ऐसे वक्त में जब रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते दुनिया की कच्चे तेल आपूर्ति की स्थापित व्यवस्था ध्वस्त हो गई, तेल एक राजनीतिक हथियार भी बन गया है। ओपेक सदस्य देशों द्वारा तेल उत्पादन में हालिया कटौती से दुनिया में महंगाई की आग बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल, सऊदी अरब, कुवैत, इराक आदि देशों ने यकायक तेल उत्पादन में प्रतिदिन सोलह लाख बैरल के करीब कटौती की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के दाम तुरंत बढ़ गए। पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे उन देशों की अर्थव्यवस्था के लिये इससे बड़ी चुनौती पैदा हो गई, जिनकी अर्थव्यवस्था आयातित कच्चे तेल पर आधारित है। दरअसल, अरब देश दलील दे रहे हैं कि दुनिया की आर्थिकी में मंदी की आहट के बीच तेल उत्पादन में कटौती की है। उन्हें आशंका है कि यदि मंदी आई तो तेल की मांग कम हो जाने से उसकी कीमत में भारी गिरावट आ सकती है। बहरहाल , दुनिया के तेल बाजार में इस घोषणा से उतार-चढ़ाव देखने में आ सकते हैं। दरअसल, बीते साल यूक्रेन पर रूसी युद्ध के बाद कच्चे तेल की कीमतों में जो अप्रत्याशित वृद्धि का सिलसिला शुरू हुआ था, वो भले ही अब थम गया था, लेकिन हालिया कटौती से फिर दाम बढ़ने की आशंका बलवती हुई है। खासकर उन देशों की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं जिनकी अर्थव्यवस्था तेल आयात पर ज्यादा निर्भर है। कोरोना संकट और रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद विश्वव्यापी महंगाई का ट्रेंड थमने का नाम नहीं ले रहा है। कई देशों में महंगाई के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं, कई अर्थव्यवस्थाओं का दिवाला निकल गया है। धीरे-धीरे इन देशों में जरूरी वस्तुओं की खरीद मुश्किल होगी तो आक्रोश में वृद्धि ही होगी। इसके साथ ही परिवहन सेवा व माल ढुलाई की व्यवस्था महंगी होने से महंगाई को और अधिक बल मिलने की भी आशंका है।दरअसल, दुनिया में बदलते सामरिक संतुलन ने भी तेल के खेल को गहरे तक प्रभावित किया है। अब तक जो ओपेक कीमत व उत्पादन निर्धारण में अमेरिकी प्रभाव में रहा करता था, उसमें अब बदलाव आ गया है। पिछले दिनों दशकों से धुर विरोधी सऊदी अरब व ईरान को करीब लाने का जो करिश्मा चीन ने किया, वह मध्यपूर्व में अमेरिका के घटते प्रभाव का ही सूचक है। जाहिर है पर्दे के पीछे कहीं न कहीं रूस की भी भूमिका हो सकती है। तभी अमेरिका की उस सलाह को दरकिनार किया गया, जिसमें तेल उत्पादन को बढ़ाये रखने की बात कही गई है। यानी दुनिया में कुल तेल का चालीस फीसदी उत्पादन करने वाले ओपेक देश अब अमेरिकी दबाव से बाहर आ गये हैं। इन देशों ने भांप लिया है कि दुनिया के बैंकिंग संकट व युद्ध के चलते मंदी की जो आहट महसूस हो रही है उससे खपत कम होने से बाजार में तेल की उपलब्धता बढ़ सकती है। वहीं दूसरी ओर इस कटौती को रणनीतिक हथियार के जरिये अमेरिका पर दबाव बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। यह कटौती ऐसे समय पर हुई है जब अमेरिका का आपातकालीन तेल भंडार न्यूनतम स्तर पर है। जिसके लिये उसे भारी मात्रा में तेल खरीदने की जरूरत है। जाहिर है तेल दामों में वृद्धि के कारण उसे महंगा तेल खरीदना पड़ेगा। नई तेल व्यवस्था को जन्म देने वाले ओपेक के सदस्य देश अब अमेरिका को आंखें दिखा रहे हैं कि वे अपनी मर्जी के मालिक हैं। वे खुद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों का निर्धारण करेंगे। दरअसल, रूस की आर्थिकी को कमजोर करने के लिये रूसी कच्चे तेल पर प्रतिबंध लगाने का दांव पश्चिमी देशों पर उलटा पड़ रहा है। कहा जा रहा है कि भारत पर इस वृद्धि का ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, भारत दुनिया में अस्सी फीसदी आयात वाला तेल का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है, लेकिन रूस से मिलने वाला सस्ता कच्चा तेल और सऊदी अरब से सामरिक संबंध भारत के लिये लाभदायक साबित होंगे। भारत फिलहाल अपनी जरूरत का तीस फीसदी से अधिक कच्चा तेल सुविधाजनक स्थितियों में रूस से खरीद रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की खरी-खरी

मीडिया की स्वतंत्रता को लेकर सुप्रीम कोर्ट की एक अहम टिप्पणी आई है कि सत्ता से सवाल पूछना और लोगों तक सच्चाई पहुंचाना मीडिया का कर्तव्य है। और सरकार की नीतियों के खिलाफबोलने वाले देश विरोधी नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मलयालम समाचार चौनल मीडिया वन के मामले की सुनवाई करते हुए हुए यह टिप्पणी की। दरअसल मीडिया वन पर राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर केंद्र ने कार्रवाई की थी। चौनल के प्रसारण लाइसेंस के नवीनीकरण को रोक दिया गया था। केरल हाईकोर्ट ने केंद्र के फैसले को बरकरार रखा था। तब शीर्ष अदालत में इसके खिलाफ चौनल चलाने वाली कंपनी मध्यमम ब्रॉडकास्टिंग लिमिटेड यानी एमबीएल ने विशेष अनुमति याचिका दायर की थी। जिस पर सुनवाई करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हेमा कोहली की पीठ ने केंद्र के इस तर्क को खारिज कर दिया कि चौनल के कुछ प्रसारणों ने राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित किया है। अदालत ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दावे हवा में नहीं किए जा सकते, इसके समर्थन में ठोस तथ्य होने चाहिए। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ द्वारा लिखे गए फैसले में पुरजोर तरीके से कहा गया है कि राज्य केवल राष्ट्रीय सुरक्षा की दलील देकर नागरिकों के अधिकारों से इनकार नहीं कर सकता है। अदालत ने कहा, सरकार को यह रुख रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती है कि प्रेस को सरकार का समर्थन करना चाहिए। अदालत ने साफशब्दों में कहा कि सरकार की आलोचना एक टीवी चौनल के लाइसेंस को रद्द करने का आधार नहीं हो सकती है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार अदालत ने कहा, प्रेस का कर्तव्य है कि वह सच बोले और नागरिकों को सही तथ्यों के साथ प्रस्तुत करे, जिससे वे लोकतंत्र को सही दिशा में तैयार करने वाले विकल्पों को चुनने में सक्षम हो सकें। प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध नागरिकों को उसी पर सोचने के लिए मजबूर करता है। सामाजिक, आर्थिक, राजनीति से लेकर राजनैतिक विचारधाराओं तक के मुद्दों पर एक समान दृष्टिकोण लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा करेगा। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी कई मायनों में महत्वपूर्ण है। यह टिप्पणी ऐसे वक्त आई है, जब विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2022 में भारत का स्थान 180 देशों में 150वें स्थान पर आया है। इससे पहले वर्ष भारत 142वें स्थान पर था और उसमें एक साल के भीतर आठ अंकों की गिरावट आई। इस गिरावट का सीधा मतलब ये है कि पत्रकारों के लिए काम करने के हालात कठिन बने हैं, प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया में खबरों को स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत नहीं किया जा रहा है। सत्ता की खामियों को खुलकर दिखाने का साहस मीडिया में नहीं हो रहा है और जो यह हिम्मत दिखा रहे हैं, उन्हें किसी न किसी तरह परेशान किया जा रहा है। मीडिया की स्वतंत्रता का यह सूचकांक रिपोर्टर्स विदाउट बार्डर्स नाम का अंतरराष्ट्रीय संगठन करता है। भारत इस सूचकांक में लगातार गिरता जा रहा है, इसकी चिंता देश के पत्रकारों, मीडिया घरानों के मालिकों और सरकार को भी करनी चाहिए थी। क्योंकि मीडिया तो एक तरह से सरकार के लिए आईने का काम करता है। मगर सरकार ने चिंता करने की जगह, चिंता के कारण को ही खत्म करने का कदम उठाया। यानी इस सूचकांक को ही खारिज कर दिया। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में कहा, श्विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक एक विदेशी गैर-सरकारी संगठन द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जिसे रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स कहा जाता है, और सरकार इसके विचारों और देश की रैंकिंग को नहीं मानती है और इस संगठन के निष्कर्षों से सहमत नहीं है। सरकार ऐसा इसलिए मानती है कि संगठन रैंकिंग के लिए बहुत कम नमूना लेता है, लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों को बहुत कम या कोई महत्व नहीं देता है और एक ऐसी कार्यप्रणाली को अपनाता है जो संदिग्ध और गैर-पारदर्शी है। जब सरकार ने बीमारी दिखाने वाले यंत्र को ही गलत बता दिया, तो बीमारी की दवा की अपेक्षा करना ही बेकार है। लेकिन आंख मूंद लेने से मुसीबत टलती नहीं है। देश में यह साफ-साफमहसूस किया जा सकता है कि कैसे कार्पोरेट की पूंजी से संचालित मीडिया में एकतरफा रिपोर्टिंग होती है, सरकार की चापलूसी करने वाले कार्यक्रम बनाए जाते हैं, बहसों में खुलकर सत्ता का पक्ष लिया जाता है ।

सामाजिक न्याय सप्ताह में क्या 69000 शिक्षक भर्ती मामले का हो सकेगा समाधान

अमर बहादुर

देश और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी छह अप्रैल अपने स्थापना दिवस से 14 अप्रैल बाबासाहेब डॉक्टर भीम राव आंबेडकर की जयंती तक सामाजिक न्याय सप्ताह मना रही है, क्या इस सामाजिक न्याय सप्ताह के तहत 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण नियमों को लागू करने में हुई विसंगति मामले का पटाक्षेप हो पाएगा? उत्तर प्रदेश की योगी सरकार नौकरी में पारदर्शिता की बात करती है लेकिन वर्ष 2018 में आयोजित 69000 शिक्षक भर्ती विसंगति के कारण अभी पूर्ण नहीं हो सकी। भर्ती में नियुक्ति पाने से वंचित अभ्यार्थी आये दिन आन्दोलन व धरना प्रदर्शन करते हैं। इस मामले में 13 मार्च 2023 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा विभाग को भर्ती संबंधी जून 2020 की सूची पर फिर से विचार करने को कहा है। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि अधिकारियों ने सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए कोटा तय करने में कई अवैध काम किए हैं। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह अंतिम सूची की समीक्षा अगले तीन महीने के भीतर करके सही तरीके से आरक्षण तय कर करे। अब न्यायालय के इस फैसले से आंदोलनरत छात्रों का एक समूह खासकर एससी और

ओबीसी वर्ग को इस बात का भय है कि कहीं करेक्शन के नाम पर करप्शन न हो जाय। 69000 शिक्षक भर्ती वर्ष 2018 में आयोजित की गयी थी। 21 जून 2020 को 69000 अभ्यर्थियों की चयन सूची आई थी जिसको लेकर आरक्षित वर्ग के छात्रों ने आरोप लगाया कि आरक्षण लागू करने में विसंगति की गई है। जब विभाग ने मामले का संज्ञान नहीं लिया तो सभी चयन पाने से वंचित अभ्यर्थी अपनी शिकायत राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग नई दिल्ली में दर्ज कराई। लगभग एक वर्ष हुई सुनवाई के बाद 29 अप्रैल 2021 में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया कि पिछड़े वर्ग को नियमानुसार आरक्षण नहीं दिया गया है। आयोग की रिपोर्ट में बिन्दु संख्या 16 में साफ लिखा है कि उपरोक्त प्रकरण में ओबीसी श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित कुल 18598 सीटों में से 5844 सीटें ऐसी है जो ओबीसी श्रेणी के उम्मीदवारों को दी जानी थी, परन्तु जो जनरल श्रेणी के उम्मीदवारों को दी गई है। और इस प्रकार ओबीसी उम्मीदवारों के अधिकारों का उल्लंघन हुआ है। आयोग द्वारा प्रश्नगत मामले में विस्तृत जांच की गयी, जिसमें भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 15 व 16 आदि के उल्लंघन परिणामस्वरूप पूर्वोक्त तथ्यों के आधार पर जिन अधिकारियों द्वारा आरक्षण नीति, नियम और विनियमों को लागू करने में उल्लंघन किये गए है तथा जिनके द्वारा गलत फैसले लेकर शासन के आदेशों की अवहेलना की गयी है, का उत्तरदायित्व नियुक्त करते हुए सम्बंधित गैर जिम्मेदारी के विरुद्ध गंभीर कार्यवाही तथा वंचित लाभार्थियों को न्याय प्रदान करने की संस्तुति की जाती है। इसके बावजूद पीड़ितों को न्याय नहीं मिला। अभ्यर्थियों ने इन सब प्रक्रिया के बाद 21 मई 2021 से एनसीबीसी की रिपोर्ट लागू कराने के लिए धरना प्रदर्शन प्रारंभ किया। अभ्यर्थियों का आंदोलन बढ़ता देख सरकार ने इस समस्या का समाधान करने का विचार बनया। सितंबर माह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर राजस्व परिषद के चेयरमैन की अध्यक्षता में एक जांच समिति का गठन किया गया। दिसंबर में जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपकर बताया कि दलित पिछड़े एवं दिव्यांग वर्ग के छात्रों को मानक के अनुसार आरक्षण नहीं दिया गया है। इस पर 23 दिसंबर 2021 को मुख्यमंत्री ने छात्रों एवं तत्कालीन बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी और विभाग के अधिकारियों के साथ बुलाकर छात्रों को न्याय देने संबंधित आदेश दिया। जिसके बाद 05 जनवरी 2022 को विभाग द्वारा चयन पाने से वंचित 6800 दलित और पिछड़े वर्ग की चयन सूची जारी की गई। इस सूची के विरोध में कुछ छात्र न्यायालय में चले गये। एक वर्ष से अधिक लखनऊ हाई कोर्ट में सुनवाई के बाद 13 मार्च 2023 को हाई कोर्ट के आदेशानुसार 6800 दलित पिछड़ों की चयन सूची रद्द कर दी गई और न्यायालय ने बेसिक शिक्षा विभाग को भर्ती संबंधी जून 2020 की सूची पर फिर से विचार करने को कहा है। अब देखना होगा कि बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी अपने द्वारा की गई गलती को किस प्रकार से सुधारकर सूची प्रस्तुत करते है, क्योंकि की आयोग की रिपोर्ट और जांच के बाद विभाग ने स्वयं 6800 आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों की चयन सूची तैयार की थी। इन 6800 आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति विभाग देगा या फिर से कोई नया बहाना ढूढेगा। यह मामला न केवल आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को प्रभावित कर रहा बल्कि योगी सरकार की छवि को भी नुकसान पहुंचा रहा है, ऐसे में समय रहते इसका पटाक्षेप कर लेना चाहिए।

दिव्यांगता: उनके सशक्तिकरण को प्रणाम

संजीव ठाकुर

ओलंपिक में जिस तरह खेलों में अपना प्रदर्शन दोहरा कर स्वर्ण, रजत और अन्य पदक प्राप्त किए है, उसे देखकर उनकी क्षमता, ऊर्जा, शक्ति और जिजीविषा को दृष्टिगत रखे तो वे राष्ट्र की सलामी और अभिनंदन के हकदार हैं। पूरे विश्व में संयुक्त राष्ट्र संघ की गणना के अनुसार दिव्यांगजन की जनसंख्या लगभग एक अरब है। भारत में ही 2011 की जनसंख्या के अनुसार 2.68 करोड़ दिव्यांगजन निवास करते हैं। दिव्यांगजन प्राकृतिक रूप से शारीरिक क्षमता में कमी के कारण आम आम नागरिकों की तरह जीवन यापन करने में कठिनाई महसूस करते हैं। दिव्यांग जनों को कई श्रेणी में माना गया है जिनमें दृष्टि हीनता ,बधिरता,मुकता, चलने में असमर्थ, मानसिक कमजोरी , मानसिक रुग्णता, बहु दिव्यांगता आदि होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है की सभी देशों में विकलांगों की समस्याएं अलग-अलग होने के बावजूद उनकी मूल समस्या एक जैसी है, जिसमें आमूलचूल बदलाव लाकर ऐसे व्यक्तियों को सशक्त किया जा सकता है। शरीर के किसी अंग अथवा मस्तिष्क के बाधित अथवा अपूर्ण विकास को दिव्यांगता के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो मानव समाज की एक संवेदनशील समस्या है। जिसका सामना विश्व के सभी देशों के दिव्यांग जनों को करना पड़ता है। दिव्यांग जनों को मूलत: शिक्षा,रोजगार, स्वास्थ्य, यातायात आदि तक पहुंच बनाने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है, जिससे वे सामाजिक आर्थिक व शैक्षिक क्षेत्र में पिछड़ जाते हैं। इस संदर्भ में दृष्टि हिनता तथा बधिरता से ग्रस्त हेलेन केलर ने कहा कि ष्दृष्टि हिनों की प्रगति मुख्य बाधा दृष्टि हीनता नहीं, बल्कि दृष्टिहीन लोगों के प्रति समाज की नकारात्मक सोच भी हैष् भारत सरकार ने इस संदर्भ में काफी विचार-विमर्श कर 1995

में विकलांगों के प्रति समाज के दायित्वों के निर्वहन हेतु विकलांग व्यक्ति अधिनियम पारित किया था, जिसे 1996 में लागू किया गया। अधिनियम के अंतर्गत दिव्यांगों के लिए शिक्षा रोजगार सामाजिक सुरक्षा के प्रावधान शामिल किए गए हैं। इसके साथ ही शासकीय नौकरी में विकलांगों का पद आरक्षित भी किया गया। इतना ही नहीं 1999 में एक अलग विकलांग राष्ट्रीय कल्याण तथा राष्ट्रीय न्यास का गठन किया गया, जिससे इनकी समस्याओं को समाधान हेतु सुना जा सके। इसके अतिरिक्त दिव्यांग जनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर केंद्र सरकार ने वर्ष 2012 में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग बनाया, जिससे इनके लिए अलग से कुछ पैमाने को निर्धारित कर विकास में सहभागी बनाया जा सके ऐसे प्रावधान रखे गए है। इसके अतिरिक्त 2015 में दिव्यांगों की शिक्षा नीति बनाई गई जिसमें दिव्यांग व्यक्तियों के लिए शिक्षा के सुरक्षित तथा सम्मानजनक समान अवसर उपलब्ध कराने का प्रावधान रखा गया। इनको शिक्षा से जोड़ने हेतु सुगम में पुस्तकालय नामक ऑनलाइन कोर्स प्रारंभ किया गया ताकि वह बटन क्लिक करने के माध्यम से पुस्तकों को पढ़ सकें, जिसके बाद इनकी नौकरियां व स्वरोजगार क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने हेतु 2016 में विकलांग अधिकारिता विभाग के परामर्श से एक जॉब पोर्टल की भी शुरुआत की गई। जॉब पोर्टल एकल मंच पर निशुल्क नौकरी के अवसर स्वरोजगार ऋण, शिक्षा ऋण व कौशल प्रशिक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। 2017 में दिव्यांग जनों की मदद के लिए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने दिव्यांग साथी मोबाइल ऐप की शुरुआत की जिसका मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग से संबंधित विभिन्न उपयोगी जानकारी जैसे विभिन्न नियमों दिशानिर्देशों योजनाओं छात्र वित्तीय एवं रोजगार संबंधी अवसरों के बारे में दिव्यांग जनों को सरल प्रारूप में जानकारियां उपलब्ध कराना इसका उद्देश्य है। इससे दिव्यांगजन सशक्तिकरण के प्रयासों को वास्तविक रूप से अमलीजामा पहनाया जा सके। केंद्र सरकार तथा राज्य सरकारें लगातार प्रयास कर रही है कि दिव्यांग जनों को समाज की मुख्यधारा में जोड़कर उन्हें खेलकूद, विज्ञान टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस,इंजीनियरिंग और प्रशासनिक सेवाओं में पूरा पूरा स्थान प्राप्त हो सके, ऐसे प्रयास निरंतर जारी हो रहे हैं। और इन्हीं सब का परिणाम है कि आज दिव्यांगों को पहचान कर समाज में उनकी नई पहचान दिलाई जा रही है स्वरोजगार में इनकी संख्या बढ़ रही है शिक्षा के स्तर में वृद्धि हुई है यहां तक कि नौकरियों मेल की भागीदारी काफी बढ़ी है। दिव्यांग व्यक्तियों ने खेल में अपना नाम बहुत ऊंचा किया है 20 18 में भारतीय दिव्यांग क्रिकेटरों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान की टीम को हराकर ब्लाइंड क्रिकेट वर्ल्ड कप अपने नाम किया था और इस तरह देश का नाम ऊंचा किया। माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली पहली भारतीय विकलांग महिला अरुणिमा सिन्हा का नाम प्रमुख है। 2016 2020-21 पैरा ओलंपिक खेलों में दीपा मलिक ने अनेक पदक जीते उन्हें अर्जुन पुरस्कार भी दिया गया है। इसी प्रकार प्रसिद्ध एथलेटिक खिलाड़ी देवेंद्र झाझरिया का नाम प्रमुख है, जिन्होंने पैरा ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। 2020-21 में पैरालंपिक जापान में भारतीय खिलाड़ियों ने जिस कदर ओलंपिक पदकों की भारत के लिए श्रृंखला जीती वह अभूतपूर्व है। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले भारतीय क्लासिकल डांसर सुधा चंद्रन,संगीतकार रविंद्र जैन, बैडमिंटन प्लेयर गिरीश शर्मा, ब्लाइंड क्रिकेट में 32 शतक लगाने वाले शेखर नायक, प्रसिद्ध डॉक्टर सत्येंद्र सिंह, कैंसर स्पेशलिस्ट डॉक्टर सुरेश आडवाणी आदि का नाम अत्यंत गौरवशाली सूची में शामिल है।जिन्होंने न सिर्फ अपना बल्कि राष्ट्र का गौरव भी बढ़ाया है। यह सब दिव्यांग जनों के लिए अपनी पहचान बनाने के अलावा प्रेरणा स्रोत के रूप में भी तेजी से उभरे हैं। इनकी उपलब्धि से यह स्पष्ट होता है कि दिव्यांगों में अपार क्षमताएं होती हैं तथा वे प्रेरणा दाई भी होते हैं। यदि इनके लिए अवसर और सशक्तिकरण के सफल प्रयास किए जाएं ,आधुनिक तकनीकी से इनकी क्षमताओं में वृद्धि की जाए तो इनमें क्षमताओं की वृद्धि की अपार संभावनाएं निहित हैं। भारत देश में जितने दिव्यांग निवास कर रहे हैं, अभी भी बेहतर परिणाम आना शेष है इसीलिए देश के विकास एवं प्रगति में दिव्यांगों की भूमिका तथा उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए पूरे समाज तथा शासन प्रशासन को आगे आकर इनकी हौसला अफजाई कर सामान्य जीवन की सुविधाओं में इजाफा किया जाना चाहिए। इसके लिए स्वास्थ्य पेशेवरों, शिक्षकों, स्थानीय समुदाय, छोटी-छोटी संस्थाओं,स्वयंसेवी संस्थाओं तथा आम नागरिकों को आगे आना होगा तभी दिव्यांग जनों को समावेशी विकास में शामिल किया जा सकेगा। यह शुभ संकेत भी है कि न सिर्फ भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिव्यांगों के प्रति संवेदनशीलता मैं काफी वृद्धि हुई है, और यही कारण है कि विकलांगों को दिव्यांग जैसे सम्मान पूर्वक शब्दों से पुकारा जाता है, यदि समाज की भूमिका मानवीय तथा सामंजस्य पूर्ण होती है, तो दिव्यांग जनों को विकास की ओर अग्रसर होने तथा सामाजिक समरसता की मुख्यधारा में जुड़ने से कोई रोक नहीं सकता है।

अमृतपाल मामले से बेहतर तरीके से निबट पर भगवंत मान ने अपना दमखम साबित कर दिया है

अशोक मधुप

अमृतपाल द्वारा खड़े किए जा रहे खालिस्तान के समर्थन में आंदोलन के दौरान लगा था कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार नई है। वह परिस्थितियों का मुकाबला नहीं कर सकेगी। पर उसकी अमृतपाल और उसके साथियों के विरुद्ध की गई कठोर कार्रवाई से ये धारणाएं गलत साबित हुईं। पंजाब के अजनाला थाने पर हुए हमले में वांछित खालिस्तानी समर्थक और अलगाववादी अमृतपाल सिंह की फरारी पर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने भले ही नाराजगी जताई हो किंतु पकड़े जाने की जगह उसका फरार रहना ही बेहतर है। वह पकड़ा जाएगा तो जेल में रहकर खुराफात करेगा, उल्टे-सीधे बयान देगा। फरार रहेगा तो उसे सिर्फ पुलिस की गिरफ्तारी से बचने का खौफहोगा। पुलिस की गिरफ्तारी से बचने की योजना उसके दिमाग में होगी। इस दौरान खालिस्तान और खालिस्तान का फितूर उससे बहुत दूर रहेगा। खालिस्तानी समर्थक और अलगाववादी अमृतपाल सिंह 18 मार्च को जालंधर के महितपुर से फरार हुआ। उसकी फरारी पर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने नाराजगी जताई। अदालत ने इसे पुलिस और खुफिया विभाग की विफलता करार दिया। न्यायालय ने कहा कि पंजाब पुलिस के 80 हजार जवानों के होते वह कैसे भाग गया? ये सही है कि अलगाववादी अमृतपाल सिंह का पुलिस के घेरे से भाग जाना पुलिस की नाकामी है किंतु इस नाकामी से पंजाब को बड़ा लाभ हुआ है। अलगाववादी अमृतपाल सिंह पकड़ा जाता तो एक बड़ा नाम बन जाता। जेल में रहकर खालिस्तान के समर्थन में बयान देता। सिखों को भड़काता। वह लगातार खुराफात करता रहता और सरकार कुछ नहीं कर पाती, सिर्फ देखती रहती। आज अमृतपाल सिंह फरार है। ऐसे में उसके दिमाग में न खालिस्तान है, न खालिस्तान बनाने का कोई प्लान। वह सिर्फ भाग रहा है। उसे पुलिस का डर है। पकड़े जाने का डर है। डर है कि गिरफ्तार कर पुलिस उसकी पिटाई करेगी। उसे पंजाब की जेल में नहीं रखा जाएगा। उसके पकड़े गए साथियों की तरह दूर असम की डिब्रूगढ़ जेल में रखा जाएगा। या उससे भी यहीं दुरूह जगह पर रखा जायेगा। फरारी के 12 दिन तक उसकी चुप्पी से ये ही पता लगता है। फरारी के 12वें दिन उसका पहला वीडियो सामने आया। उस वीडियो में उसने सिखों को भड़काने की कोशिश की। वीडियो में उसने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार से वैशाखी पर तख्त श्री दमदमा साहिब में सरबत खालसा बुलाने की बात कही है। उधर चौतरफा दबाव के बाद अब अमृतपाल के सरेंडर की अटकलें लगीं। चर्चा रही कि वह अमृतसर के स्वर्ण मंदिर स्थित श्री अकाल तख्त साहिब में आकर सरेंडर कर सकता है। इसका पता चलते ही पुलिस ने वहां कड़ी सुरक्षा कर दी। इसके बाद सूचना आई कि वह बठिंडा के तलवंडी साबो स्थित तख्त श्री दमदमा साहिब में सरेंडर कर सकता है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सरेंडर के लिए अमृतपाल ने तीन शर्तें रखी हैं, जिनमें उससे मारपीट नहीं करने, पंजाब की जेल में रखने और सरेंडर को गिरफ्तारी न दिखाने की बात कही है। हालांकि इसके बाद अमृतपाल की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग सामने आई, जिसमें उसने सरेंडर करने की बात को नकारते हुए कहा कि वह पुलिस कस्टडी में टॉर्चर से नहीं डरता। उसकी मांग पर सरबत खालसा तो नहीं बुलाया गया किंतु शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी की अध्यक्षता में कुछ सिखों ने श्री हरमंदर साहिब से लेकर डीसी दफ्तर तक रोष मार्च निकाला। इस रोष मार्च में हरजिंदर सिंह धामी सहित रागी जत्थो के अलावा एसजीपीसी के सदस्यों ने भी हिस्सा लिया। डीसी दफ्तर के बाहर सभी एकत्रित हुए और पंजाब सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया। एसजीपीसी की मांग है कि अमृतपाल के मामले में जिन लोगों पर एनएसए लगाया गया है, वह हटाया जाए। इसके अलावा दूसरे राज्यों की जेलों में भेजे गए सिख नौजवानों को पंजाब में वापस लाया जाए। डीसी दफ्तर पहुंचने के बाद एसजीपीसी की तरफसे डीसी को एक ज्ञापन भी सौंपा गया। पंजाब में अमृतपाल के द्वारा खड़े किए जा रहे खालिस्तान के समर्थन में आंदोलन के दौरान लगा था कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार नई है। वह परिस्थितियों का मुकाबला नहीं कर सकेगी। पर उसकी अमृतपाल और उसके साथियों के विरुद्ध की गई कठोर कार्रवाई से ये धारणाएं गलत साबित हुईं। खालिस्तान की बात करने वाले अमृतपाल और उसके साथियों को भी इतनी कठोर कार्रवाई की उम्मीद नहीं थी। उन्हें लगता था कि सरकार सब देखती रहेगी। वह अपने काम जारी रखेंगे। अजनाला थाने पर हमला करने पर उनका कुछ नहीं बिगड़ा, आगे भी कुछ नहीं बिगड़ेगा। वह आगे भी ऐसा ही करेंगे और दबाव देकर पुलिस से अपने साथी छुड़ा लेंगे। ज्यादा से ज्यादा गिरफ्तार हुए तो पंजाब की जेल में ही रहेंगे, यहां से उनकी कार्रवाई

जारी रहेगी। उन्हें शायद यह उम्मीद बिल्कुल नहीं थी, कि अबकी बार उनके गिरफ्तार साथियों को पंजाब की जेल में नहीं दूसरे प्रदेश की ऐसी जेल में रखा जाएगा, जहां कोई न उनकी भाषा जानने वाला होगा, न ही समर्थक, न सहानुभूति रखने वाला। इन जेलों में तो वह आम कैदी होंगे और आम कैदियों की तरह की उनके साथ व्यवहार होगा। अपने लोगों, रिश्तेदारों से मिलने तक को तरस जाएंगे। अपनी पसंद और अपने प्रदेश का भोजन तक नसीब नहीं होगा। पंजाब की कानून व्यवस्था पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय नेता अरविंद केजरीवाल का कहना है, हम देशभक्त लोग हैं, भारत माता से प्यार करते हैं और अगर कोई भारत माता के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई करेगा तो उसे छोड़ा नहीं जाएगा। पंजाब में शांति बहाल रखने के लिए पिछले कुछ दिनों में भगवंत मान सरकार और आम आदमी पार्टी सरकार ने कई कठोर कदम उठाए हैं। हमें जो सिस्टम मिला उसमें पॉलिटिकल लोगों के साथ क्रिमिनल की जुगलबंदी थी। गैंगस्टर और क्रिमिनल्स को पहले पॉलिटिकल संरक्षण दिया जाता था। खालिस्ताल समर्थक अमृतपाल और उसके साथियों के विरुद्ध कार्रवाई ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि इस मामले में केंद्र और प्रदेश सरकार मजबूती से साथ है। अमृतपाल के साथियों की गिरफ्तारी के बाद उनके कुछ कट्टर समर्थकों को जिस तरह गिरफ्तार कर विशेष विमान से असम की डिब्रूगढ़ जेल भेजा गया, उससे प्रदेश और केंद्र के आपसी तालमेल का पता चलता है। इस मुद्दे पर पहली बार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक निजी चौनल से बातचीत में कहा, ष्कानून व्यवस्था के मामले में वह पंजाब के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं। मैं हर तीन महीने में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से मिलता हूं। किसी भी राज्य में लॉ एंड ऑर्डर होता है तो पार्टीबाजी से ऊपर उठकर केंद्र सरकार उनके साथ खड़ी होती है। पंजाब सरकार इस मामले में जो भी कदम उठा रही है, केंद्र उनके साथ है। इस पूरे प्रकरण में अमृत पाल जहां फरार है, वहीं अमृतपाल के चार सहयोगियों राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लगाया गया है। अमृतपाल सिंह के चाचा हरजीत सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है। अमृतपाल सिंह के चार सहयोगियों- दलजीत सिंह कलसी, भगवंत सिंह, गुरमीत सिंह बाजेका और अमृतपाल के चाचा को असम की डिब्रूगढ़ जेल में रखा गया है। अमृतपाल पर आरोप है कि उसे विदेशी फंडिंग हो रही है। उसके पीछे पाकिस्तान की आईएसआई का हाथ है। अमृतपाल के करीबी सहयोगी श्आनंदपुर खालसा फौजश् (एकेएफ) बना रहे थे। अमृतपाल और उसके साथियों के खिलाफदर्ज छह एफआईआर में अवैध हथियार रखने के अलावा पुलिस के काम में बाधा डालना और पुलिस पर हमला करने जैसे अपराध भी शामिल हैं। भारत में अमृतपाल और उसके साथियों के विरुद्ध सरकार की कठोर कार्रवाई के दौरान केंद्र और पंजाब सरकार का उम्मीद थी कि इस कार्रवाई के विरोध में पंजाब में तीखी प्रतिक्रिया हो सकती है। इसीलिए ऑपरेशन के समय पंजाब में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं थी। किंतु ऐसा हुआ नहीं। सब ठीक रहा। देश के अंदर कहीं कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। थोड़ी बहुत प्रतिक्रिया हुई तो अमेरिका, कनाड़ा, इंग्लैड आदि में। वहां भारतीय दूतावास पर प्रदर्शन हुए। तोड़फोड़ हुई। इतना सब होने पर वहां की सरकारें चुप रहीं। सक्रिय हुईं तो भारत के विरोध के बाद। इन घटनाओं को लेकर भारत कठोर कार्रवाई करेगा, विदेशों में अमृतपाल के पक्ष में प्रदर्शन करने वालों को यह उम्मीद नहीं थी। भारत सरकार ने इनके विरुद्ध मुकदमे दर्ज कराने शुरू कर दिए हैं। इससे प्रदर्शन करने वाले भारतीय पासपोर्ट धारकों पर कार्रवाई किए जाने, विदेशों में नागरिकता लेने वालों के आईओसी (इंडियन ओरिजन कार्ड) निरस्त करने की कार्रवाई की जा रही है। विदेशों की नागरिकता ले चुके प्रदर्शनकारियों को भी घेरे जाने की सूचनाएं हैं। एक चीज और अमृतपाल खुद कह रहा है कि पंजाब पुलिस चाहती तो उसे उसके घर से पकड़ सकती थी। किंतु नहीं पकड़ा। कहीं ऐसा तो नहीं कि उसे जानबूझकर भगाया गया हो और भगाया जा रहा हो। एक बात साफहै कि वह भागा हो, या भगाया गया हो, उसका भागना और फरार रहना देश के लिए लाभप्रद है।

CMYK

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने सपा नेता पर कसा तंज, कहा, सिर्फ एसी में बैठकर ट्वीट करना जानते हैं अखिलेश

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने रविवार को झांसी मेडिकल कॉलेज में पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव सिर्फएसी में बैठकर ट्वीट करना जानते हैं। वह सड़क पर निकलकर देखें कि अब उत्तर प्रदेश का वातावरण बदल चुका है। बृजेश पाठक ने आगे कहा कि सपा की सरकार में लुच्चे, मवाली और गुंडे लोगों का उत्पीड़न करते थे। भाजपा सरकार में ऐसे लोग जेल में हैं। वहीं, मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग होम के एजेंटों द्वारा मरीजों की सौदेबाजी करने के प्रकरण को लेकर उन्होंने कहा कि अब एक भी दलाल नहीं दिखेगा। जो भी ऐसे काम करते पकड़ा जाएगा, उनके खिलाफ गैंगस्टर के तहत कार्रवाई करेंगे। वहीं, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने डीएम और प्राचार्य को निर्देश देते हुए कहा कि नर्सिंग होम के एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और मरीजों की सौदेबाजी करने वाले नर्सिंग होम को चिन्हित करे। इसके साथ ही उन्होंने मेडिकल कॉलेज में सीसीटीवी कैमरे बढ़ाने के भी निर्देश दिए। बता दें कि अखिलेश यादव ने यूपी के स्वास्थ्य विभाग को लेकर एक ट्वीट किया था। जिसमें उन्होंने एक फोटो ट्वीट करते हुए लिखा था कि बीजेपी सरकार में यूपी के अस्पतालों में 'कुत्ते डोल' रहे हैं। क्या यही है भाजपाई राज में 'स्वच्छ भारत-स्वच्छ भारत' का अमृतकाल? वहीं, अब अखिलेश यादव के इस ट्वीट पर डिप्टी सीएम ने पलटवार किया।

नेशनल एसोसिएशन ऑफफिशरमैन की बैठक में बनी आंदोलन की रणनीति

मछुआ कल्याण बोर्ड के गठन को मांग

संवाददाता, लखनऊ। नेशनल एसोसिएशन ऑफ फिशरमैन एवं राष्ट्रीय निषाद संघ शाखा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक रविवार को राजधानी लखनऊ स्थित कॉमन हाल दारुल सफा ए ब्लॉक में हुई। बैठक की अध्यक्षता कैलाश नाथ निषाद प्रदेश अध्यक्ष तथा मुख्य अतिथि के रुप में राम कुमार एडवोकेट पूर्व विधायक, राष्ट्रीय महासचिव नेफ उपस्थित रहे। बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ कैलाश नाथ निषाद ने दिलाई एवं माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया तथा संगठन के विस्तार पर चर्चा करते हुए निषाद ने कहा कि नेशनल एसोसिएशन ऑफ फिशरमैन युवा प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ, अधिवक्ता प्रकोष्ठ, मंडल स्तर, जिला स्तर एवं ब्लॉक स्तर पर इकाइयों का गठन कर सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। उत्तर प्रदेश में मछुआ कल्याण बोर्ड का गठन किया जाए। उत्तर प्रदेश में मछुआ कल्याण बोर्ड का गठन किया जाए। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा में परंपरागत मछुआ समुदाय को 60 फीसदी अनुदान दिए जाने की मांग की। इसके अलावा एसएसपीओ का बाइलॉज बनाकर शीघ्र एसएसपीओ का गठन किया जाए, जिससे सहकारिता विभाग की मंशा के अनुरूप कार्य हो सके। इस दौरान रमेश चंद निषाद ने कहा दो हेक्टेयर से छोटे तालाबों पर 5 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर एवं उससे बड़े तालाबों के लिए हजार रूपये प्रति हेक्टेयर नीलामी प्रथा लागू है जो एक प्रायोजित षड्यंत्र के तहत मत्स्य माफियाओं ने गरीब मछुआरों का हक छीनने के लिए बोली लगाकर लगान बढ़ाने का काम किया।कोर्ट के आदेश से हम गरीब निषाद समाज का उत्पीड़न किया गया है। हम सरकार से मांग करते हैं कि बढ़ा हुआ लगान कम किया जाए, जिससे गरीब मछुआरों का कल्याण हो सके। राम कुमार एडवोकेट ने पूरे प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर मझवार, गौड़, तुरैहा को प्रभावित कर उनकी उप जातियों को जाति प्रमाणपत्र जारी करने की मांग की है।उन्होंने कहा कि यदि हमारे समाज की मांगे पूरी न हुई तो सभी जिला मुख्यालयों पर बड़ी संख्या में निषाद समाज के लोग धरना प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत कर शुभकामनाएं दी। अभिनव कश्यप प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि नदियों के ठेके शासनादेश के अनुसार मत्स्य विभाग व राजस्व विभाग मिलकर करता है। कुछ स्थानों पर नगर निगम द्वारा किए जा रहे हैं। मत्स्य जीवी सहकारी समिति के लिए ऐसी कोई योजना नहीं है, जिससे सहकारी समितियों का उत्थान हो सके। बड़े-बड़े तालाबों पर अवैध कब्जे हो चुके हैं तथा उनके स्वरूप को बदलने का कुप्रयास किया जा रहा है, जिससे पर्यावरण प्रभावित हो रहा है। इसके लिए राष्ट्रीय निषाद संघ पूरे उत्तर प्रदेश में एक जन चेतना यात्रा निकालेगी और समाज को जागरूक करेगी। दयाराम निषाद प्रदेश अध्यक्ष प्रबुद्ध प्रकोष्ठ ने कहा कि निषाद वंशीय समाज के बुद्धजीविको को संगठन से जोड़कर समाज में आरक्षण संबंधी मांग को गांव गांव तक पहुंचा कर समाज को अपने हक एवं अधिकार के लिए जागरूक करने का काम करेंगे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एवं एंटरप्रेन्योरशिप पर सेमिनार का आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्व विद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय एवं अभियांत्रिकीय संकाय के डीन प्रोफेसर ए.के सिंह के संरक्षण एवं निर्देशन में अभियांत्रिकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एवं एंटरप्रेन्योरशिप पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य छात्रों को एआई के क्षेत्र मे हुए नवीनतम रुझानों एवं नवाचारों के बारे में अवगत कराना था। सेमिनार के मुख्य वक्ता अमेरिका की गवर्नमेंट फंडेड 150 साल पुरानी पड्र्यू यूनिवर्सिटी के मैनेजमेंट एंड कंप्यूटर साइंस के प्रोफेसर आलोक आर चतुर्वेदी ने किया। उन्होंने उद्यमिता के क्षेत्र में ए.आई की भागीदारी पर विशेष ध्यान देने के साथ एआई टेक्नोलॉजी में हो रही नवीनतम प्रगति, एआई शोधकर्ताओं और चिकित्सकों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों और अवसरों के बारे मे बताया गया। एआई के सदुपयोग, नौकरियों पर एआई के प्रभाव और हेल्थकेयर और अन्य उद्योगों को बदलने के लिए एआई की क्षमता जैसे विषयों पर चर्चा की। सेमिनार मे उपस्थित लोगों को नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, मशीन लर्निंग और एआई अनुसंधान के अन्य प्रमुख क्षेत्रों में नवीनतम सफलताओं के बारे में जानने और इसकी क्षमताओं और संभावित अनुप्रयोगों के बारे में जाना। छात्रों को सेमिनार के अंत में एक प्रश्नोत्तर सत्र मे भाग लेने का अवसर दिया गया।

बीकेटी में सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार

चार दिन में उखड़ने लगीं गिट्टियां

संवाददाता

लखनऊ। बख्शी का तालाब नगर पंचायत क्षेत्र में भ्रष्टाचार की भेंट एक और सड़क चढ़ गई है। घटिया सामग्री से बनी सड़क पर चार दिन बाद ही गड्ढे होने लगे। निर्माण में धांधली को लेकर नगर पंचायत क्षेत्र के लोगों ने गुस्सा है। उनका कहना है कि लगभग दस साल बाद सड़क का निर्माण हुआ है, लेकिन चार दिन में ही सड़क में जगह जगह से गिट्टियां उखड़ने लगी है। लोगों ने सड़क को दुरुस्त कराए जाने की मांग की है। बख्शी का तालाब क्षेत्र में नगर पंचायत कार्यालय के बगल से रुदही गांव जाने वाली सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। जहां सरकार करोड़ों रुपए का बजट सड़क निर्माण में व्यय करती है। लेकिन ठेकेदार के द्वारा विभाग में सेटिंग करके निर्माण में धांधली कर घटिया सामग्री लगाते हैं। जिससे ये सड़के जल्द ही जर्जर हो जाती है। नगर पंचायत बीकेटी में लगभग दस दिन पूर्व बड़ी बाजार (बीकेटी नगर पंचायत कार्यालय) से लेकर रुदही वार्ड संख्या 17 तक सड़क का निर्माण किया गया था। लेकिन चार दिन में सड़क पर जगह जगह गड्ढे व गिट्टियां उखड़ने लगी हैं। क्षेत्रवासियों ने घटिया निर्माण की शिकायत बीकेटी नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी संध्या मिश्रा से की थी। उन्होंने आश्वासन दिया था कि इसे फिर से निर्माण कराया जायेगा, लेकिन अभी तक कोई निर्माण कार्य नहीं किया गया। सेवानिवृत्त सैनिक अशोक कुमार सिंह ने बताया कि शिकायत पर ईओ आयीं थीं। उन्होंने कहा कि इस मार्ग का निर्माण फिर से कराया जायेगा। संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल बीकेटी इकाई के अध्यक्ष वेदरतन सिंह ने कार्यदायी संस्था पर आरोप लगाते हुए कहा कि ये लोग भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। कमीशनखोरी के चक्कर में ऐसे ही जनता के रुपयों की बर्बादी की जा रही है। चेतावनी देते हुए कहा कि यदि दोबारा सड़क का निर्माण गुणवत्ता पूर्ण नहीं कराया गया तो उच्चधिकारियों से मिलकर इसकी शिकायत करेंगे।

दानिश आजाद ने की विशेष पसमांदा बुद्धिजीवी चिंतन बैठक

संवाददाता, लखनऊ। लंबे समय से पसमांदा हितों के लिये संघर्षरत सामाजिक संगठन ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज के राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं पसमांदा बद्धिजीवीगण की संयुक्त चिंतन बैठक राजधानी के होटल जेमिनी कॉन्टीनेन्टल में आयोजित हुई, जिसमें आगामी लोकसभा चुनाव एवं राजनीति में पसमांदा समाज की स्थिति तथा हाल ही में उत्तर प्रदेश में आर्थिक रूप से कमजोर बुनकरों के लिये फ्लैट रेट की घोषणा के प्रति योगी सरकार एवं मंत्री दानिश आजाद अंसारी को आभार एवं धन्यवाद दिया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने संगठन के द्वारा सौंपे गये मांग पत्र में लिखित मांगों के अनुरूप कहा कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी लोकसभा चुनाव एवं प्रदेश में होने जा रहे निकाय चुनाव में पसमांदा बाहुल्य क्षेत्रों से जिताउ कार्यकर्ता को भाजपा द्वारा टिकट चयन में वरीयता, पसमांदा आयोग का गठन, सरकार अधीनस्थ विभिन्न आयोग, बोर्ड, निगम इत्यादि में चनय, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के बजट में बढ़ोत्तरी, स्कॉलरशिप स्कीम को जारी रखना, काटन उद्योग को बढ़ावा, पसमांदा को छोटे ऋण उपलब्ध कराना, देश के सभी मदरसों को मान्यता प्राप्त विद्यालय में परिवर्तित करना, सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा, पसमांदा कन्या विवाह योजना इत्यादि विषयक मांगों को केन्द्र एवं राज्य सरकार से पूरा करना है। बोले कि योगी सरकार समाज के प्रत्येक वंचित वर्ग के कल्याण के लिये कृत संकल्पित है।

संक्षिप्त समाचार

कमान अस्पताल में प्रसूति संबंधी आपात स्थितियों के प्रबंधन पर दो दिवसीय सीएनई का समापन

संवाददाता, लखनऊ। प्रसूति संबंधी आपात स्थिति टूर डे वर्क स्टेशन के प्रबंधन पर कंटीन्यूइंग नर्सिंग एजुकेशन (सीएनई) के दूसरे दिन की शुरुआत डॉ चंद्रावती प्रोफेसर एमेरिटसरू प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, केजीएमयू, डॉ. मंजू शुक्ला, सेवानिवृत्त प्रोफेसर केजीएमयू, डॉ. फेडरेशन ऑफऑब्सटेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया की प्रीति कुमार और जॉन हॉपकिंग प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल एजुकेशन इन गायनोकोलॉजी एंड ऑब्स्टेट्रिक्स के वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार डॉ. दिनेश सिंह, मेजर जनरल शक्ति वर्धन, एमजीमेडिकल, मध्य कमानऔर मेजर जनरल पंकज पी राव, कमांडेंट, कमानअस्पताल, मध्य कमान, लखनऊद्वारा दीप प्रज्वलित करकार्यशाला के उद्घाटन के साथ हुई। प्रतिष्ठित वरिष्ठतम प्रसूति विशेषज्ञ डॉ चंद्रावती को मेजर जनरल शक्ति वर्धन द्वारा सम्मानित किया गया और जनरल पंकज पी राव द्वारा आभार व्यक्त किया गया। पोस्ट पार्टम हेमरेज (पीपीएच) पर वैचारिक सत्र आयोजित किए गए, इसके बाद पीपीएच और नियोनेटल रिससिटेशन प्रोटोकॉल के प्रबंधन पर कौशल कार्य केंद्र आयोजित किए गए। इसके बाद समापन सत्र हुआ जहां प्रतिनिधियों ने उल्लेख किया कि कुल मिलाकर सीएनई बहुत ज्ञानवर्धक और लाभकारी था।

एनएसयूआई ने छात्र संघ बहाली एवं बेतहाशा फीस वृद्धि को लेकर योगी सरकार को भेजा पत्र

संवाददाता, लखनऊ। राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने अपने 53वें स्थापना दिवस पर छात्र संघ बहाली, बेतहाशा फीस वृद्धि वापस लिये जाने की मांग समेत प्रमुख छात्र मुद्दों को लेकर प्रदेश की योगी सरकार को पत्र भेजा है। स्थापना दिवस के अवसर पर आज एनएसयूआई मध्य जोन अध्यक्ष अनस रहमान ने प्रेसवार्ता कर छात्रसंघ बहाली की पुरजोर मांग की है। एनएसयूआई ने देश के बजट का 10 फीसदी हिस्सा शिक्षा के लिए आवंटित करने की भी सरकार से मांग किया है। प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष अनस रहमान ने छात्र संघ बहाली की मांग करते हुए कहा कि छात्र मुद्दों पर प्रदेश भर के विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक अधिकारियों के ढुलमुल एवं तानाशाही रवैये के चलते छात्र-छात्राओं को बहुत से सुविधाओ से वंचित रहना पड़ता है और उनकी कहीं भी सुनवाई नही होती है। इसलिए छात्र संघ के चुनाव कराने की सरकार तत्काल घोषणा करे। अनस रहमान ने आगे कहा कि विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में लगातार फीस वृद्धि की जा रही है।

विद्युत मजदूर पंचायत के पदाधिकारियों का चयन

संवाददाता, लखनऊ। विद्युत मजदूर पंचायत उ.प्र. का 24वां द्विवार्षिक सम्मेलन गन्ना संस्थान, लखनऊ के उपरान्त संगठन के केन्द्रीय कार्यालय लोहिया मजदूर भवन नरही लखनऊ में चुनाव अधिकारी उमाशंकर मिश्रा महामंत्री एच.एम.एस. के देख-रेख में सर्वसम्मति से निम्न पदाधिकारियों का चयन किया गया। अध्यक्ष बी.सी. उपाध्याय, महामंत्री गिरीश कुमार पाण्डेय, कार्यवाहक महामंत्री डा. आर. बी. सिंह, कोषाध्यक्ष, नरेश चन्द्र शर्मा को मनोनीत किया गया। साथ ही संगठन के महामंत्री गिरीश कुमार पाण्डेय द्वारा अपनी अस्वस्थता के कारण डा. आर. बी. सिंह को संगठन के महामंत्री का समस्त दायित्यों का निर्वह्न करने हेतु अधिकृत्त किया गया। बैठक में प्रदेश के लगभग समस्त जनपदों से आये संगठन के सदस्य चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न कराने में सहभागिता प्रदान किया।

राजधानी में धूमधाम से मना ईस्टर, जुलूस निकाल कर दिया गया यीशू का संदेश

संवाददाता, लखनऊ। राजधानी में धूमधाम से ईस्टर का पवित्र त्यौहार मनाया गया। लालबाग स्थित चर्च पर विभिन्न चर्च और ईसाई समितियों के अनुयाईयों ने एकत्र हो कर नाचते गाते हुए हजरतगंज स्थित कैथेड्रल चर्च पर पहुंच कर ईस्टर का पर्व मनाया। रास्ते भर नाचते गाते लोगों को जलपान करवाया गया और लगभग एक किलोमीटर लम्बे जुलूस का समापन कैथेड्रल चर्च पर हुआ। लोगों ने मरियम और यीशू मसीह के सामने मोमबत्तियां जला कर सुख शांति की दुआ मांगी। कैथेड्रल चर्च की बड़ी सीढियों पर बैठे हुए बिशप और पादरी जनों ने ईस्टर की शुभकामनाएं देते हुए आशीष वचन जनता को दिये।

केन्द्रीय कार्यालय ज्ञाप के अनुसार शिक्षक और कार्मिको को मिले पेंशन लाभ

संवाददाता

लखनऊ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित कर भारत सरकार के कार्यालय ज्ञाप 03 मार्च, 2023 के क्रम में उत्तर प्रदेष में भी 28 मार्च, 2003 से पूर्व रिक्त पदों हेतु जारी नोटिफिकेशन, विज्ञापन के आधर पर नियुक्ति शिक्षकों,कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना से आच्छादित करने की मांग की है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी ने बताया कि उ.प्र. में वर्ष 2018 में कर्मचारियों और शिक्षकों द्वारा किये गये समेकित आन्दोलनों के बाद पुरानी पेंशन व्यवस्था हेतु एक उच्च समिति मुख्यमंत्री के निर्देश पर तत्कालीन मुख्य सचिव अनूप चन्द्र पाण्डे जी द्वारा बनाई गई थी उसमें पीएफआरडीए के अधिकारी भी नामित किये गये थे। इसकी 02 माह बैठकें चली। समिति सदस्य अविनीश अवस्थी एवं परिषद के अध्यक्ष होने के नाते हरिकिशोर तिवारी दिल्ली पीएफआरडीए के शीर्ष अधिकारियों से वार्ता करने भेजा गया। इस दौरान 10 प्रतिशत की जगह 14 प्रतिशत अंश सरकार द्वारा डालने एवं 10 हजार करोड़ रुपये कर्मचारियों के खाते में वापस जमा करने के निर्देश दिये गये थे। अब भारत सरकार के पेंषन विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या 57/05/2021-पी एण्ड पीडब्लू बी दिनांक 03 मार्च 2023 द्वारा नई अंशदान पेंशन योजना की अधिसूचना 22 दिसम्बर .2003 से पूर्व अधिसूचित,विज्ञापित रिक्तिया,पदों के साथ नियुक्ति कार्मियों को 01. जनवरी 2004 से पूर्व प्रभावी पुरानी पेंशन योजना से आच्छादित होने का अवसर प्रदान किया है। परिषद के महामंत्री शिवबरन सिंह यादव ने इस आधार पर पेंषन के मुद्दे पर पीएफआरडीए की केन्द्रीय कार्मिकों को दिये गये तयशुदा हितलाभ का अनुसरण करते हुये उ.प्र. के सम्बन्धित 28. मार्च .2005 से पूर्व अधिसूचित,विज्ञापि रिक्तियों के सापेक्ष नियुक्त समस्त कर्मचारियों,ि,ाक्षकों को 01 अप्रैल 2005 से पूर्व प्रभावी पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिलाने की मांग की है।

अखिलेश ने सबसे ज्यादा किया दलितों का शोषण : नितिन

प्रभावी मतदाता सम्मेलन में पहुँचे नितिन अग्रवाल

संवाददाता, लखनऊ। प्रदेश के आबकारी राज्यमंत्री नितिन अग्रवाल में आज रविवार को कहा कि अखिलेश यादव ने दलितों का सबसे ज्यादा शोषण किया है। वह उन्हें क्या समाजवादी पार्टी से जोड़ पाएंगे। बीएनडी कालेज कानपुर में प्रभावी मतदाता सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में नितिन अग्रवाल ने कहा कि अखिलेश यादव ने तो पिछड़ों के लिए भी कुछ नहीं किया। उन्होंने सिर्फएक जाति के लोगों के लिए ही काम किया है। नितिन अग्रवाल ने कहा, सपा मुखिया अखिलेश यादव सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति करते रहे। 2017 के पहले गुंडे माफिया हावी थे और नेता माफिया का गठजोड़ था। समाजवादी पार्टी ने गुंडे और माफिया को राजनीतिक संरक्षण दिया। उन्हें खुली छूट दी गई कि किसी की भी जमीन कब्जा कर लें और हफ्ता वसूलें। प्रदेश में अराजकता का दौर था। बड़े पदों पर बैठे लोग ऐसे लोगों को संरक्षण दिए हुए थे और सीएम आवास में ऐसे लोग नीतियां बनाते थे। बुलडोजर चलने पर सबसे ज्यादा सपा नेताओं के पेट में दर्द हो रहा है क्योंकि बुलडोजर अपराधियों पर चल रहा है। यह आगे भी चलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की सरकार में परिवार में ही बैठकर पैसे की बंदरबांट कर ली जाती थी। पिछले छह वर्षों में उस दौर के तमाम सारे मंत्री जेलों में बंद हुए लेकिन भाजपा कार्यकाल के 6 वर्षों में कोई घोटाला नहीं हुआ। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हटाने के नाम पर विपक्ष एक हो रहा है। अगर ऐसा है तो जनता भी विपक्ष को हटाने का नारा देगी। इसके साथ ही व्यापारियों का आह्वान किया कि वे मोदी के साथ होने का नारा दें।कानपुर अग्निकांड के संबंध में नितिन अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश की सरकार हर समय उनके साथ है और हर संभव मदद करेगी इस मौके पर जिलाध्यक्ष सुनील बजाज, नगर निगम चुनाव के सह प्रभारी रणवेन्द्र प्रताप सिंह धुन्नी, चुनाव संयोजक प्रकाश शर्मा, सुरेश अवस्थी, अनीता गुप्ता, वीरेश त्रिपाठी, अवधेश सोनकर आदि रहे।

विश्व होम्योपैथी दिवस पर निशुल्क होम्योपैथिक परामर्श शिविर का आयोजन

संवाददाता, लखनऊ। विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर हेल्प यू एजुकेशनल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा ट्रस्ट कार्यालय इंदिरा नगर, लखनऊ में निशुल्क होम्योपैथिक परामर्श, निदान एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया, शिविर का शुभारंभ ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी हर्ष वर्धन अग्रवाल, परामर्शदाता चिकित्सक डॉ संजय कुमार राणा तथा आचार्य अरविंद पांडे नारायण दास ने दीप प्रज्वलन तथा होम्योपैथी के जनक डॉ क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनीमैन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया, शिविर आयोजन में विशेष सहयोग करने के लिए डॉ संजय कुमार राणा को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया, इस अवसर पर डॉ अलका सक्सेना, एक्यूपंचर चिकित्सक, डॉ आकांक्षा खरे, क्लीनिकल आहार एवं पोषण विशेषज्ञ एवं डॉ उषा पांडे, कोशीय पोषण विशेषज्ञ ने एक्यूपंचर एवं आहार-विहार परामर्श भी प्रदान किया,ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी हर्ष वर्धन अग्रवाल ने सभी को विश्व होम्योपैथी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि, विश्व होम्योपैथी दिवस का आयोजन होम्योपैथी के जनक डॉ क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनीमैन की स्मृति में उनकी जयंती पर किया जाता है विश्व होम्योपैथी दिवस 2023 की थीम है होमियो परिवार-सर्वजन स्वास्थ्य, एक स्वास्थ्य, एक परिवार, अर्थात हम सभी देशवासी एक परिवार हैं व परिवार के सभी सदस्यों के स्वास्थ्य की देखभाल करना हमारा कर्तव्य है, इसी कर्तव्य को निभाते हुए हेल्प यू एजुकेशनल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट वर्ष 2022 से निरंतर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर रहा है।

एकनाथ शिंदे पहुंचे अयोध्या, किया रामलला का दर्शन

❑ शिंदे ने जताया राम मंदिर का सपना पूरा करने के लिए मोदी और योगी का आभार

संवाददाता

लखनऊ। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सुबह 11 बजे राम नगरी अयोध्या पहुंचे। रामकथा पार्क के पास बने हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर उतरा। मुख्यमंत्री शिंदे के साथ महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह पहुंचे। हेलीपैड से एक खुली गाड़ी में सवार होकर मुख्यमंत्री समेत वरिष्ठ नेता जुलूस की शक्ल में लता चौक पहुंचे। हजारों की तादाद में शिवसैनिक मौजूद रहे। एक दर्जन महाराष्ट्र सरकार के मंत्री भी अपने नेता के साथ रामलला के दर्शन के लिए पहुंचे। लता चौक के बाद सभी रामलला के दर्शन के लिए गेट नंबर 3 से प्रवेश किए।महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे पैदल ही रामलला के दर्शन के लिए निकले। इस बीच उन्होंने स्वर्गीय रामचंद्र दास परमहंस समाधि स्थल पर नमन भी किया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे का अयोध्या में भव्य राम मंदिर का सपना अब साकार हो रहा है। अयोध्या के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, बाला साहेब ठाकरे का अयोध्या में भव्य राम मंदिर का सपना अब साकार हो रहा है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देता हूं।

अयोध्या हमारे लिए गर्व और भक्ति का विषय है। शिंदे आज रविवार को अपनी पार्टी के विधायकों, सांसदों और भाजपा नेताओं के साथ अयोध्या जा रहे थे। पिछले साल महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने के बाद यह मंदिर शहर की उनकी पहली यात्रा है। हनुमान गढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना और राम जन्मभूमि पर रामलला के दर्शन का प्रोग्राम है। वह राम लल्ला की आरती और सरयू आरती में शामिल होना है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को राम मंदिर के चल रहे निर्माण कार्य से अवगत कराएंगे।

हम अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड लेकर है जनता के बीच : भूपेंद्र चौधरी

निकाय चुनाव को लेकर बीजेपी तैयार, जनता है साथ

संवाददाता

लखनऊ। यूपी निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन, कार्यकर्ता, मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री अपने विषयों को लेकर जनता के संपर्क में रहते हैं। हम अपनी बात अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड जनता के बीच में रखते हैं। जो काम हमारी सरकारों ने किए हैं वह काम जनता को बताने का अधिकार है।केवल चुनाव की दृष्टि से नहीं बल्कि लगातार जनता से संपर्क संवाद कर हम अपने रिपोर्ट कार्ड के साथ उनके बीच में रहते हैं। बीजेपी कार्यकर्ताओं की लोगों के अच्छे में बुरे में दुख दर्द में उपस्थिति रहती है।जनता ने हमें इतना आशीर्वाद दिया है, हमारे मुख्यमंत्री लगातार अलग-अलग जगहों पर जाकर शिलान्यास और लोकार्पण कर रहे हैं।केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की पूरी सरकार हमारी जनता के बीच में है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा, हमारी नगर निकाय के चुनाव की पूरी तैयारी है।संगठन की दृष्टि से तैयारी पूरी है। आरक्षण की अंतिम सूचना जारी होगी और आयोग चुनाव की अधिसूचना जारी करेगा। हम अपने प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया को पूरा करके जनता के बीच में जाएंगे। हमारी सरकारों ने जो काम किए इन सब कामों के हम चर्चा कर रहे हैं। जैसे ही नामांकन शुरू होंगे निश्चित समय अवधि में हम अपने उम्मीदवार घोषित कर देंगे।सभासद, मेयर, चेयरमैन घोषित करके जनता के बीच जाएंगे। अखिलेश यादव के ट्वीट पर भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि समाज में जिस प्रकार की परिस्थिति है हमें अपने काम की अच्छाई गिनाने का अधिकार है। मुख्यमंत्री ने अच्छे काम गिनाए हैं। किस प्रकार आजमगढ़ में आजमगढ़ की छवि बनी थी। जितनी आतंकवादी घटनाएं होती थी, देश विरोधी कोई गतिविधि होती थी, उसमें कोई न कोई आजमगढ़ के लोगों के नाम आता था। आजमगढ़ की जो छवि थी उसे यूपी की सरकार ने बदलने का काम किया।सपा की चुनावी तैयारी और मुकाबले पर कहा कि चुनाव हमेशा पूरी तैयारी के साथ एक चुनौती के रूप में लेना चाहिए बीजेपी इसे लेती भी है। हम कोई कोताही नहीं बरत रहे। पूरी तैयारी के साथ अपने सभी संगठन के पदाधिकारी को हमने काम बांट रखे है। अपने सरकार के पूरे रिपोर्ट कार्ड के साथ हम जनता के बीच में जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी की लगातार हमारी सक्रियता बनी हुई है। 6 अप्रैल से 14 अप्रैल तक हमारे अलग-अलग कार्यक्रम हो रहे हैं।सामाजिक न्याय सप्ताह मना रहे हैं। चौधरी ने कहा कि भगवान राम सबके हैं और हमारी सरकार हम लोग अपने धार्मिक त्योहार भी पूरी आस्था, पूरे सम्मान के साथ मनाते हैं। यह हमारा अधिकार है। शिंदे जी की आस्था है भगवान श्रीराम में तो वह भगवान श्री राम के दर्शन करने के लिए आए हैं। उनका स्वागत है। हमारी सरकारें अपनी आस्था परंपरा और संस्कृति के आधार पर आगे बढ़ रही हैं।

पालिका क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्यकाल की चर्चाएं हुईं तेज

अंग्रेजी हुकूमत में मिला था ग्राम पंचायत का दर्जा

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

भरथना,इटावा। भरथना नगर पालिका परिषद को अंग्रेजी हुकूमत के दौरान ग्राम पंचायत-भरथना के नाम से पहचाना जाता था। जिसमें ग्राम पंचायत- पुराना भरथना प्रथम के नाम से प्रचलित थी तथा ग्राम पंचायत-भरथना नगर द्वितीय के नाम से पहचानी जाती थी। उस समय ग्राम पंचायत भरथना नगर के अध्यक्ष दीनदयाल अवस्थी हुए। उनके बाद चुनाव चिन्ह हाथी से भगवती प्रसाद, इनके बाद रामनाथ दुबे जो दो बार (एक बार निर्विरोध) निर्वाचित हुए। तदुपरान्त चुनाव चिन्ह तराजू से धन्नामल रामगोपाल पोरवाल विजयी हुए। फिर भरथना की बागडोर सूरज शर्मा के हाथों में आई,जो टाउन एरिया के अध्यक्ष हुए और उन्होंने अपने ही कार्यकाल में टाउन एरिया की सीमा का विस्तार कर नगर की सीमा बढ़ाई और वर्ष 1978 में भरथना टाउन एरिया से नगर पालिका परिषद बनी और तभी से भरथना की पहचान नगर पालिका परिषद के रूप में होने लगी। उन्होंने नगर क्षेत्र में विद्युत सप्लाई लाने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद राजेन्द्र प्रसाद पोरवाल का 7 वर्षीय कार्यकाल रहा। वहीं बाद में कुछ समय के लिए भरथना सुपर सीट रही। फिर चुनाव के उपरान्त प्रकाश चन्द्र भंसाली ने 26 नवम्बर 1988 को अध्यक्ष के रूप में पालिका का चार्ज ग्रहण किया। इसी बीच स्थिति विपरीत होने के चलते उस समय उपाध्यक्ष पद पर रहे प्रेमचन्द्र पोरवाल लम्बरदार ने कुछ समय के लिए अध्यक्ष का चार्ज ग्रहण कर जनता की सेवा की और पुन: प्रकाश चन्द्र भंसाली अपना चार्ज ग्रहण कर जनता की सेवा में लग गये। इसके बाद 19 जनवरी 1994 से लेकर 30 नवम्बर 1995 तक सुपर सीट रही। इसके बाद 1 दिसंबर 1995 में पहली बार एक महिला चेहरा के रूप में कांग्रेसी नेता राजवाला महेश्वरी ने नगर पालिका परिषद भरथना के अध्यक्ष पद का चार्ज ग्रहण किया। इनका कार्यकाल 3 दिसंबर 2000 तक चला। इसके बाद राजीव पोरवाल उर्फ मनोज पोरवाल नगर पालिका अध्यक्ष पद पर आसीन हुए। इनका कार्यकाल 4 दिसंबर 2000 से 3 दिसंबर 2005 तक रहा। फिर इस बीच 4 दिसंबर 2005 से लेकर 17 नवंबर 2006 तक सुपर सीट यानि कि (प्रशासक-उपजिलाधिकारी भरथना पर चार्ज रहा)। एक बार पुन: पूर्व चेयरमैन राजीव कुमार उर्फ मनोज पोरवाल की धर्मपत्नी नीता पोरवाल ने 18 नवंबर 2006 को नगर पालिका परिषद भरथना के अध्यक्ष पद को गौरवान्वित किया और इनका कार्यकाल 26 नवंबर 2011 तक रहा। इनके बाद 27 नवंबर 2011 से लेकर 31 दिसंबर 2011 तक फिर एक बार प्रशासक नियुक्त रहे। इसके उपरांत नगर क्षेत्र के उद्योगपति एवं प्रमुख व्यवसायी और कर्मठ सपा नेता अजय यादव ''गुड्डू'' की धर्मपत्नी रंजना यादव नगर पालिका परिषद भरथना की अध्यक्ष निर्वाचित हुईं। और उन्होंने नगर क्षेत्र की टूटी फूटी

सड़कों गलियों सहित नगर पालिका कार्यालय को एक मल्टी काम्पलैक्स के रूप में उच्च स्तरीय कार्यालय को समर्पित कर व ठोस और मजबूत निर्माण विकास कार्य कराकर भरथना की जनता का दिल जीत लिया,उनके द्वारा कराए गए विकास कार्य और निर्माण कार्यो की चर्चा आज भी जनता के दिलो दिमाग मे छाई हुई है। जिनका कार्यकाल 18 जुलाई 2012 से लेकर 3 अगस्त 2017 तक रहा साथ ही पालिका अध्यक्ष अध्यक्ष रंजना यादव ने अपने कार्यकाल में नगर पालिका परिषद भरथना सीमा का विस्तार करा दिया। लेकिन वार्डों की संख्या ज्यों कि त्यों 25 ही बनी रही। इसके बाद नगर नगर की कमान एक ऐसे निठल्ले खाऊ कमाऊ के हाथ चली गई,जिसने 12 दिसंबर 2017 को नगर पालिका परिषद भरथना के अध्यक्ष के रूप में शपथ ग्रहण करते ही अपनी हैसियत में इजाफा शुरू कर दिया। अब आगामी नगर निकाय निर्वाचन में नगर पालिका परिषद भरथना का अध्यक्ष पद का आरक्षण पिछडा वर्ग घोषित होने के बाद अध्यक्ष की कुर्सी पर कौन विराजमान होता है? यह नगर की जनता पर निर्भर करता है।

फर्जी दस्तावेजों से बैनामा करने में महिला समेत तीन गिरफ्तार

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

हरदोई। आधार कार्ड और पैन कार्ड पर दूसरे की जगह अपनी फोटो लगाकर दूसरे की जमीन बैनामा करने के मामले में कछोना पुलिस ने महिला सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।जिनसे पुलिस घटना की पूछताछ कर आगे की कार्यवाही कर रही है। प्राप्त समाचार में कछौना थाना क्षेत्र निवासी रविंदर कुमार ने थाने पर प्रार्थना पत्र देकर चार लोगों को नामजद करते हुए आरोप लगाया कि चारों फर्जी दस्तावेजों से दूसरे की जमीन का बैनामा कर दिए हैं।पुलिस ने नामजद मुकदमा पंजीकृत करते हुए क्षेत्राधिकारी बघौली के नेतृत्व में जांच टीम गठित कर जांच की।सोमवार को घटना में सलिप्त उमा पत्नी अर्जुन कोतवाली देहात,भूपेंद्र और रवि प्रताप थाना कछौना को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया।क्षेत्राधिकारी बघौली नेबताया कि गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया ये लोग अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेजों द्वारा दूसरे की भूमि का बैनामा आर्थिक लाभ के लिए किए थे। अभियुक्ता उमा ने स्व गीता पत्नी स्व चंद्र प्रकाश की फोटो जगह अपनी फोटो लगाकर आधार और पैन कार्ड जारी करवाया फिर उन्हीं दस्तावेजों से सेविंग अकाउंट खुलवाया।इन लोगों ने स्व गीता की जमीन 30 मार्च 1 अप्रैल व 12 अप्रैल को बैनामा कर दिया था।उन्हीं कूट रचित दस्तावेजों से बैंक ऑफ इंडिया सरसंड शाखा से 4 लाख का क्रेडिट कार्ड बनवा लिया था।ये सब इस गिरोह ने आर्थिक लाभ के लिए किया है।पूछताछ में तीनों अभियुक्तों ने अपना जुर्म स्वीकार किया है।इन्हे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेजा जा रहा है।संदीप सिंह थाना प्रभारी कछौना एस आई पुष्कर वर्मा आरक्षी रोहित अनुराग महिला आरक्षी शायदा की तत्परता से घटना का अनावरण किया गया।

शांति शिक्षा से विश्व में सकारात्मक वातावरण विकसित करना चाहिए- डॉ संतोष अंश

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

सुल्तानपुर । राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बी एड विभाग ने बीएड द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु एक विद्यार्थी संगोष्ठी का आयोजन किया ।जिसका विषय वर्तमान वैश्विक परिवेश में शांति शिक्षा की उपादेयता रखा गया था। इस संगोष्ठी के मुख्य वक्ता और विषय विशेषज्ञ बीएड के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ संतोष कुमार सिंह अंश ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान दौर में हम एक वैश्वीकृत दुनिया में रह रहे हैं। यह दुनिया एक गाँव के रूप में तब्दील हो गई है जिसे मैकलुहान ने ग्लोबल विलेज की संज्ञा दी है। एक प्रक्रिया और प्रवाह के रूप में वैश्वीकरण ने दुनिया को एक दूसरे से जोड़ते हुए अंतरनिर्भरता को बढ़ावा दिया है। वैश्वीकरण के इस दौर में युद्ध, असंतोष, अवसाद, पलायन, पर्यावरणीय असंतुलन संपूर्ण विश्व के समक्ष प्रमुख चुनौती है। इसलिए वर्तमान विश्व की एक महत्त्वपूर्ण आवश्यकता शांति एवं भाईचारे की स्थापना करना है। आज वैश्विक शांति संपूर्ण विश्व की आवश्यकता है। यह एक दिन में संभव नहीं हो सकता। इसके लिए संपूर्ण विश्व को अपने निजी स्वार्थों का त्याग करते हुए मानवता को साध्य बनाना होगा। ?विश्व नागरिकताश् की अवधारणा को साकार करते हुए मानव हितों के साथ-साथ प्रकृति का भी संरक्षण करना होगा। वर्तमान विश्व युद्ध, संघर्ष, पलायन, महामारी एवं पर्यावरण संकट जैसी अनगिनत समस्याओं का सामना कर रहा है। वर्तमान विश्व को सशंकित दृष्टि से देखते हुए इतिहासकार युवाल नोआ हरारी अपनी पुस्तक ?21 स्मेवदे वित जीम 21ज ब्मदजनतल' में कहते हैं कि, अपनी प्रजाति को संगठित करने के लिए हमने मिथक रचे। खुद को शक्तिशाली बनाने के लिए हमने प्रकृति को वश में किया। अपने विचित्र उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हम जीवन की पुनर्रचना कर रहे हैं। लेकिन क्या हम अब भी खुद को जान पाए हैं या हमारे आविष्कार हमें अप्रासंगिक बना देंगे? वैश्विक शांति स्थापित करने में भारत सदैव अग्रणी देशों में शामिल रहा है। प्राचीन काल से ही शांति एवं सद्भाव भारतीय संस्कृति की मूल विशेषताएं रही हैं। भारत अनेक धर्मो की जन्मस्थली है। इन धर्मों ने दुनिया भर में शांति एवं मानवता का संदेश

दिया। वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा भारत की प्रमुख विशेषता रही है। शिक्षा जीविकोपार्जन और संतोषजनक जीवन जीने का सबसे अच्छा तरीका है। हालाँकि, इसका एक और मकसद भी है। शांति शिक्षा जीविकोपार्जन की अवधारणा से परे है। यह छात्रों को सिखाता है कि दुनिया में सद्भाव और शांति कैसे बनाए रखें और आलोचनात्मक और तार्किक सोच रखें। शांति शिक्षा की मुख्य अवधारणा लोगों को शांति स्थापना के महत्व से अवगत कराना और एक सकारात्मक वातावरण विकसित करना है। हरेक देश के अपने नागरिकों को शांति की शिक्षा दे। तभी विश्व शांति का सपना साकार हो सकता है। संगोष्ठी में शिवानी अग्रहरी, प्रिया पाण्डेय, विशाल गुप्ता, प्रभात कुमार सिंह, रंजू मिश्रा, आदित्य तिवारी ,ज्योति तिवारी ,आनंद मिश्रा, श्रद्धा तिवारी, अंजली गुप्ता, सौम्या साहू आदि ने विचार प्रस्तुत किये। संगोष्ठी का संचालन प्राची कसौंधन ने किया। इस संगोष्ठी में बी एड द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्यापार मंडल ने की अग्निशमन केंद्र स्थापना की मांग

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

हरदोई। शाहाबाद व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने अग्निकांड से पीड़ित दुकानदार को साथ लेकर उपजिलाधिकारी महोदय से भेंट की और शाहाबाद में अग्निशमन केंद्र बनवाने को लेकर लिखित ज्ञापन दिया। उपजिलाधिकारी महोदय ने कहा जल्द ही इस पर कार्यवाही की जाएगी, तब तक वैकल्पिक तौर पर शाहाबाद में अग्निशमन की एक गाड़ी 24 घंटे खड़ी रहने की व्यवस्था करवा रहे हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष सर्वेश गुप्ता, संजीव बांगा, छुन्ना भाई, संदीप गुप्ता, फहीम अहमद, अलोक गुप्ता, फैजान खान, सुरकुट्टी लाल गुप्ता एवं कई व्यापारी साथ रहे।

जिलाधिकारी ने नामांकन से पूर्व आरओ-एआरओ को दिए आवश्यक निर्देश

संवाददाता, हरदोई । रसखान प्रेक्षागृह में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सभी आरओ एवं एआरओ की बैठक हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने आरओ एवं आरओ से नामांकन की तैयारियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि नामांकन 11 अप्रैल से प्रारंभ होगा। इसके लिए एक रजिस्टर बना लिया जाए जिस पर विवरण दर्ज किया जाए। नगर पालिका अध्यक्ष के लिए 500 व नगर पंचायत अध्यक्ष के 250 रुपये का शुल्क रखा गया है। नगर पालिका सदस्य के लिए 200 रुपये तथा नगर पंचायत सदस्य के लिए 125 रुपये रखा गया है। आरक्षित वर्गों को नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए 250 व नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए 125 रुपये शुल्क रखा गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी तैयारियां चाक-चौबंद रखी जाए और आयोग के निर्देशों का पूर्णत: पालन सुनिश्चित किया जाए। नामांकन कक्षों में अनधिकृत व्यक्तियों को प्रवेश न करने दिया जाए। समस्त नामांकन प्रक्रिया की वीडियो ग्राफी की जाए। नामांकन कक्षों में एक दीवार घड़ी लगवा ली जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, सहायक निर्वाचन अधिकारी देवेन्द्र सिंह, समस्त आरओ एवं एआरओ उपस्थित रहे।

विद्युत शॉर्ट सर्किट से दो किसानों की गेहूं व गन्ने की फसल जलकर राख

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

खीरों, रायबरेली। खीरों थाना क्षेत्र के गांव मानपुर में सोमवार विद्युत शार्ट सर्किट से दो किसानों की लगभग चार बीघे से अधिक गेहूं की फसल और एक बीघे से अधिक गन्ने की फसल जलकर राख हो गई।वही ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मानपुर निवासी रमेश सिंह ने बताया कि मेरे खेत से हाईटेंशन लाइन गुजरती है। सोमवार को दोपहर से पहले जब आपूर्ति चल रही थी उसी समय हवा के तेज झोंके के कारण तार आपस में टकरा गए और उनसे निकली चिंगारी

से खेतों में खड़ी गेहूं की फसल में आग लग गई। जब तक ग्रामीण आग बुझाने का प्रयास करते तब तक रमेश सिंह और बबलू सिंह की चार बीघे से अधिक गेहूं और एक बीघे से अधिक गन्ने की फसल जलकर राख हो गई। उपजिलाधिकारी लालगंज अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। क्षेत्रीय लेखपाल और राजस्व निरीक्षक की टीम को भेज कर किसानों के नुकसान की रिपोर्ट मंगवाई जा रही है। रिपोर्ट मिलने पर पीड़ित किसानों को आर्थिक सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

आग लगने कई एकड़ गेंहू जलकर राख किसान मायूस

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

हरदोई। टोडर पुर ब्लॉक में अज्ञात कारणों से आग लगने से कई एकड़ गेंहू की फसल जलकर राख होने का समाचार मिला है। फसल नष्ट हो जाने से किसानों में मायूसी छाई है। गेंहू की फसल इस समय पूरी तरह पक कर तैयार है किसान अपनी फसल के लिए छ: माह तक इंतजार करता है।अभी कुछ दिन पूर्व इंद्र देव किसानों से रूष्ट हो गए थे तो किसानों की फसल भीगने से नुकसान हुआ था इसी कारण से गेहूं विलंब से काटा जा रहा है।लेकिन पूरी तरह पकी फसल में आग की एक चिंगारी भी किसानों की पूरे वर्ष की मेहनत पर पानी फेर रही है। क्षेत्र में लगातार आग लगने से किसानों की फसल नष्ट हो रही है।सोमवार को टोडर पुर ब्लॉक के अमरौली में अज्ञात कारणों से गेंहू के खेतों में आग लग गई जिससे कई एकड़ गेंहू जल गया। उमरौली प्रधान ने घटना की सूचना सोशल मीडिया सहित बेहटा गोकुल थाना और राजस्व को दी है। किसानों ने किसी तरह आग पर काबू पाया है। फसल जलने से किसानों में मायूसी छाई है।

गर्भवती की सही देखभाल से माँ-बच्चा दोनों होंगे खुशहाल

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

हरदोई ।सुरक्षित मातृत्व के लिए जरूरी है कि गर्भधारण के साथ ही गर्भवती का पूरा ख्याल रखा जाए ताकि वह सुरक्षित प्रसव के साथ ही स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सके द्य इसके साथ ही जन्म के 42 दिन तक गर्भवती और शिशु का खास ख्याल रखा जाना चाहिए क्योंकि इस दौरान की गयी कोई भी लापरवाही गंभीर रूप ले सकती है द्य इस बारे में जागरूकता के लिए ही हर साल 11 अप्रैल को राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाता है । मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. राजेश कुमार तिवारी बताते हैं गर्भधारण करते ही महिला का शीघ्र पंजीयन, उसकी प्रसव पूर्व जाँचें, स्वास्थ्य एवं पौष्टिक पदार्थों के सेवन संबंधी सलाह, टीकाकरण, गर्भावस्था के दौरान खतरे के लक्षणों, बच्चे की देखभाल, संस्थागत सुरक्षित प्रसव और प्रसव पश्चात माँ और बच्चे की देखभाल का जिम्मा सरकार उठाती है । इस क्रम में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना(पीएमएमवीवाई) के तहत गर्भधारण करते ही पोषण के लिए महिला का पंजीयन किया जाता है द्य वहीं उच्च जोखिम की गर्भावस्था की जल्द से जल्द पहचान कर उसका प्रबंधन करने के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान(पीएमएसएमए) हर माह की नौ और 24 तारीख को मनाया जाता है द्य इसके अलावा संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए जननी सुरक्षा योजना चल रही है द्य इसके साथ ही जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत गर्भावस्था के दौरान जटिलताओं और प्रसव के लिए अस्पताल आने और वापिस घर जाने के लिए 102 एम्बुलेंस की सुविधा है द्य साथ ही प्रसव के समय निशुल्क दवाएं, भोजन और रक्त की आवश्यकता पड़ने पर उसकी भी उपलब्धता सरकार सुनिश्चित कराती है द्य प्रसव पश्चात माँ और बच्चे में जटिलता आने पर उसके इलाज की जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग उठाता है ।प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य के नोडल अधिकारी डा. सुशील कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्रों और ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के माध्यम से गर्भवती की प्रसवपूर्व जाँचे, देखभाल, पौष्टिक आहार, बच्चे की देखभाल और शीघ्र और केवल स्तनपान के बारे में सलाह दी जाती है द्य आयरन और फोलिक एसिड (आईएफए) की गोलियां, टिटेनस व वयस्क डिप्थीरिया(टीडी) के दो टीके गर्भवती को तथा नवजात को पोलियो, बीसीजी और हिपेटाइटिस बी के टीके लगाए जाते हैं द्य सभी जाँचों, गर्भवती और बच्चे के टीकाकरण का सारा विवरण मातृ शिशु सुरक्षा(एमसीपी) कार्ड में अंकित किया जाता है द्य आंगनबाड़ी केंद्रों पर गर्भवती और धात्री को पौष्टिक आहार भी दिया जाता है । मातृ मृत्यु की स्थिति में ऑडिट कर मृत्यु के कारणों का पता लगाया जाता है और आगे की आवश्यक कार्यवाही की जाती है । मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी इंद्रभूषण सिंह ने बताया कि जनपद में सुरक्षित प्रसव की सुविधा जिला महिला अस्पताल, 100 बेड वाले संयुक्त अस्पताल, सभी 21 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, 18 अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, एवं 26 उपकेन्द्रों पर उपलब्ध है द्य सिजेरियन की सुविधा जिला महिला अस्पताल, 100 शैया संयुक्त अस्पताल, पिहानी, बिलग्राम और संडीला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र(सीएचसी) पर उपलब्ध है । मुख्य चिकित्सा आधिकारी का कहना है कि हमारा प्रयास है कि हर महिला को सुरक्षित और सम्मानजनक मातृत्व का अधिकार मिले द्य इससे संबंधित सभी सुविधाएं दी जा रही हैं ।

क्या कहते हैं आँकड़े -

राष्ट्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) द् 5 के अनुसार, पहली तिमाही में 68 फीसद महिलाओं ने कम से कम एक प्रसवपूर्व जांच कराई जबकि एनएफएचएस द् 4 में यह आंकड़ा 21.8 फीसद था द्य इसी तरह एनएफएचएस - 5 में लगभग 40 फीसद महिलाओं ने चार प्रसव पूर्व जाँच करायीं जबकि एनएफएचएस-4 में यही आंकड़ा 10 फीसद था द्य संस्थागत प्रसव की बात करें तो एनएफएचएस - 5 में यह आंकड़ा 74 फीसद है जबकि एनएफएचएस-4 में 65.4 फीसद था ।

चूल्हे से उठी चिंगारी से छप्पर में लगी 18 बकरियों सहित गृहस्थी जलकर राख

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। चूल्हे पर खाना बनाते समय उठी चिंगारी से छप्पर में आग लग गयी। इससे पहले कि ग्रामीण आग पर काबू पाते आस पास के तीन घर भी आग की चपेट में आ गये। जिसमें घर गृहस्थी सहित 18 बकरियां भी जलकर राख हो गयी। घटना की सूचना पर जहां तहसील प्रशासन ने टीम भेजकर क्षति का आंकलन कराया तो वहीं मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने तीनों पीड़ित परिवारों को राशन, बर्तन, कपड़ा व आर्थिक मदद उपलब्ध करायी। घटना कोतवाली क्षेत्र के बरीबरा मजरे मऊ गांव की है। दोपहर को रम्पता पत्नी भूषन अपने घर के बाहर रखे छप्पर के नीचे चूल्हे पर खाना बना रही थी। अचानक चूल्हे से उठी चिंगारी ने छप्पर में आग पकड़ ली। आग की लपटें तेज होने पर परिजनों सहित आस पास के लोगों को जानकारी हुई। ग्रामीणों ने दौड़ कर आग बुझाना शुरू कर दिया परन्तु आग ने और विकराल रूप ले लिया और बगल के ईश्वरदीन व सर्वेश के घर आग पहुंच गयी। पूरे घटना क्रम में तीनों घरों के ग्रहस्थी का सामान तो जला ही साथ ही तीनो परिवारों की 6-6 बकरियां भी आग में जलकर राख हो गयी। घटना की सूचना पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने पहुंचकर पीड़ित परिवारों को राशन, बर्तन, कपड़ा सहित आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी। वहीं मामले में तहसीलदार अभिनव पाठक ने बताया कि राजस्व टीम भेजकर क्षति का आंकलन कराया गया है, शासन से आने वाली सहायता राशि जल्द पीड़ित परिवारों को उपलब्ध करा दी जायेगी।

नगर पंचायत चुनाव को लेकर को एसडीएम ने किया बूथों का निरीक्षण

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

ऊँचाहार, रायबरेली। नगर पंचायत चुनाव को लेकर सोमवार को एसडीएम तथा प्रशिक्षु एसडीएम, तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी ने विद्यालयों के बूथों पर जागर व्यवस्थाएं देखी। इस दौरान खामियों को दुरुस्त करने के लिए नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। एसडीएम सिद्धार्थ चौधरी ने सोमवार को प्रशिक्षु एसडीएम शिखा संखवार, तहसीलदार अजय कुमार गुप्ता, नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी निखिलेश कुमार मिश्र तथा कोतवाल बालेंदु गौतम के साथ राजकीय महाविद्यालय समेत सभी विद्यालयों में बनाए जाने वाले पोलिंग बूथों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी।

इस दौरान बिजली, पानी, कमरों की छतों में लगे पंखों समेत खिड़कियों की व्यवस्थाएं देखी। राजकीय अंबेडकर महाविद्यालय में तीन बूथों पर विकलांगों के लिए रैंप नहीं बने थे। जिसे नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी को तत्काल रैंप बनवाने के निर्देश दिए। एसडीएम सिद्धार्थ चौधरी ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय मुस्तफाबाद में चार, पूर्व माध्यमिक विद्यालय मुस्तफाबाद में चार, नवीन पूर्व माध्यमिक विद्यालय में एक तथा राजकीय अंबेडकर महाविद्यालय में पांच पोलिंग बूथ बनाए जाएंगे। राजकीय अंबेडकर महाविद्यालय में तीन बूथों पर रैंप नहीं बने हैं। जिसे अधिशासी अधिकारी को तत्काल बनवाए जाने के निर्देश दिए हैं।

निकाय चुनावों के तारीख की घोषणा होते ही चुनावी सरगर्मी तेज

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। नगर निकाय चुनावों के तारीख की घोषणा होते ही चुनावी सरगर्मी तेज हो गयी है। प्रशासन ने जहां सार्वजनिक स्थानों पर लगी प्रचार सामग्री हटवायी तो वहीं चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों ने अपनी गुणा गणित तेज कर दी है। मंगलवार से नामांकन पत्रों की बिक्री शुरू हो गयी परन्तु अभी तक किसी भी पार्टी द्वारा अपने प्रत्याशियों की घोषणा नही की गयी है। चुनाव तिथियों की घोषणा होने के बाद प्रत्याशिता करने वालों की संख्या अधिक होने के कारण राजनैतिक दलों ने प्रत्याशियों का आवेदन लेना तो शुरू कर दिया है परन्तु अभी तक किसी भी पार्टी ने अपने किसी प्रत्याशी की आधिकारिक घोषणा नही की है। सूत्रों की माने तो भारतीय जनता पार्टी में नगर अध्यक्ष पद के लिए जहां निवर्तमान नगर अध्यक्ष सरला साहू ने अपनी दावेदारी पेश की है, तो वहीं भाजपा के ही महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सुधा अवस्थी, मण्डल अध्यक्ष सूर्य प्रकाश वर्मा, व भाजपा नेता जय नरायन वर्मा ने अपना आवेदन किया है। वहीं समाजवादी पार्टी से अभी तक आवेदन करने वालों में फिरोज का नाम ही सामने आ रहा है तो वहीं कांग्रेस पार्टी की बात की जाय तो 4 लोगो के आवेदन करने की बात सामने आयी है। परन्तु नामों का खुलासा नही किया गया है। अधिशाषी अधिकारीध् एसडीएम धीरज श्रीवास्तव ने बताया कि मंगलवार से नामांकन पत्रों की बिक्री शुरू होगी, जिसके लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। नामाकंन प्रक्रिया विकास खण्ड परिसर में ही सम्पन्न करायी जायेगी।

CMYK

जिलाधिकारी द्वारा भदौना झील का निरीक्षण

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

अंबेडकरनगर । जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा तहसील अकबरपुर के अंतर्गत भदौना झील का निरीक्षण किया गया।भदौना झील जिसका कुल क्षेत्रफल 42 हेक्टेयर है जिसमें 3 ग्रामों की भूमि ग्राम फतेहपुर बेला बाग, नंदू पुर तथा मौरा पारा की भूमि शामिल है। जिलाधिकारी द्वारा झील के अंदर नाव के माध्यम से पक्षी सारस के प्रवास का जायजा लिया गया। उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा अनुरुप लुप्त हुए पशु पक्षियों को वापस लाना हैं। जैसे कि लुप्त हुए हंस यहां पर दिखाई नहीं देते हैं।भदौना झील में हंसो का झुंड दिखाई देता है।उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा को पूरा करने हेतु जिलाधिकारी द्वारा प्रयास किया जा रहा है।झील में प्रवास कर रहे विशेष रूप से सारस को किसी प्रकार के वाहय व्यक्तियों द्वारा हस्तक्षेप न किया जाए।

जयभारत सत्याग्रह अभियान को हर गांव हर घर पहुंचायेंगे : राम कुमार पाल

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

अंबेडकरनगर । अखिल भारतीय कांग्रेस की महासचिव और उप्र प्रभारी प्रियंका गाँधी के आवाहन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जयभारत सत्याग्रह अभियान को हर गांव हर घर पहुंचाने की ठान लिया है अशरफपुर बरवा में किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष वशिष्ठ पांडेय द्वारा आयोजित नुक्कड़सभा को संबोधित करते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष राम कुमार पाल ने यह उद्गार व्यक्त किये .उन्होंने कहा कि जिसतरह से मोदी सरकार द्वारा आनन-फानन में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, सांसद की लोकसभा सदस्यता खत्म की गयी वह अभिव्यक्ति की आजादी और संविधान प्रदत्त अधिकारों का हनन है देश इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगा.

जिला किसान कांग्रेस प्रकोष्ठ अध्यक्ष वशिष्ठ पांडेय ने अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सिबलीपुर तथा अशरफपुर बरवा में किसान कांग्रेस द्वारा आयोजित जयभारत सत्याग्रह अभियान जनसंवाद में भाजपा की महंगाई, भ्रष्टाचार और दमनकारी नीतियों के खिलाफ न्याय की बुलंद आवाज करते हुए व्यापक जागरूकता का आवाहन किया और कहा कि आमजनता को संविधान द्वारा मिले अधिकारों का हनन कांग्रेस नहीं होने देगी , कार्यक्रम में अशोक कुमार शुक्ला वीरेंद्र तिवारी अंकुर गोस्वामी रामप्रकाश विश्वकर्मा डा राम अर्ज राजभर कृपा शंकर पांडे राजन पांडे महिपाल शुक्ला आबिद अली

मोहम्मद अजीज सूर्यभान सिंह आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे स जयभारत सत्याग्रह अभियान के दौरान ही पूर्व जिलाध्यक्ष राम कुमार पाल ,जिला किसान कांग्रेस प्रकोष्ठ अध्यक्ष वशिष्ठ पांडेय, जिला कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ अध्यक्ष राज बहादुर मिश्रा और जिला कांग्रेस सचिव ज्ञानेन्द्र पाठक ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता राम प्रकाश विश्वकर्मा के यहाँ पहुँचकर शोकसंतप्त परिवार को ढाढ़स बंधाया और सांत्वना देते हुए कहा कि इस अपार दुख की घड़ी में हम सभी कांग्रेसजन विश्वकर्मा परिवार के साथ हैं स इस मौके पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता अंकुर गोस्वामी,मौजूद रहे ।

जिला अस्पताल के अंदर ही मिलेगा दवा से लेकर सर्जिकल तक सभी सामान

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

अंबेडकरनगर । जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों की मुश्किलें बढ़ी हुई हैं। यहां सर्जरी से जुड़े कई सामान नहीं हैं तो वहीं कई दवाएं भी नदारद हैं। जिला प्रशासन ने मरीजों को राहत दिलाने के लिए अब अस्पताल प्रशासन को सख्त निर्देश दिया है कि दवाओं से लेकर सभी प्रकार के किट की जरूरत की सूचना एक माह पहले दें। जिला प्रशासन ऐसे सभी सामानों की उपलब्धता सुनिश्चित कराएगा।जिला अस्पताल में प्रतिदिन एक हजार से अधिक मरीजों की ओपीडी होती है। यह अस्पताल यूं तो 200 बेड का संचालित हो रहा है लेकिन यहां सुविधाएं अभी 100 बेड की ही स्वास्थ्य निदेशालय से मिल रही हैं। नतीजा यह है कि यहां आए दिन दवाओं के साथ ही सर्जरी से जुड़े सामानों का टोटा रहता है। एडीएम डॉ. सदानंद गुप्ता ने दो एसडीएम व तहसीलदार को साथ लेकर जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया था। इसमें कई तरह की खामी सामने आयी थीं।जिला अस्पताल में प्रतिदिन एक हजार से अधिक मरीजों की ओपीडी होती है। यह अस्पताल यूं तो 200 बेड का संचालित हो रहा है लेकिन यहां सुविधाएं अभी 100 बेड की ही स्वास्थ्य निदेशालय से मिल रही हैं। नतीजा यह है कि यहां आए दिन दवाओं के साथ ही सर्जरी से जुड़े सामानों का टोटा रहता है। एडीएम डॉ. सदानंद गुप्ता ने दो एसडीएम व तहसीलदार को साथ लेकर जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया था। इसमें कई तरह की खामी सामने आयी थीं।इस बीच मरीजों का हाल जानने टीम जिला अस्पताल पहुंची तो वहां तीमारदारों ने बताया कि ऑपरेशन के लिए सभी तरह के संसाधन यहां उपलब्ध नहीं हैं। उन्हें विकरिल धागा, क्रोमिक धागा, प्रोलीन व मेस जॉली, आरएल बोतल, स्पाइनल सुई, एडीके किट व एनॉबिन इंजेक्शन आदि बाहर से लेना पड़ा। मरीजों ने बताया कि इसके लिए कई बार रिश्तेदारों या परिचितों से पैसा भी उधार मांगना पड़ जाता है।अलग-अलग ऑपरेशन के अनुसार एक हजार से लेकर 5 हजार तक के सामानों को खरीदना पड़ता है। हड्डी आदि के ऑपरेशन में यह राशि 15 हजार रुपये तक पहुंच जाती है। इसके अलावा गैस, स्किन, सांस आदि के रोग की कई दवाएं भी नहीं हैं।तीमारदारों ने जताई नाराजगी पसियापारा से आई शिमपी तिवारी ने कहा कि जिला अस्पताल में निरूशुल्क इलाज मिल पाना मुश्किल है। जिला अस्पताल में कैल्शियम का टेबलेट जब नहीं उपलब्ध हो पा रहा है तो और क्या व्यवस्था देगी प्रशासन। कोई भी ऑपरेशन हो तो हजारों रुपये बाहर से खर्च ही करने पड़ते हैं। जलालपुर से आईं महिला तीमारदार श्वेता तिवारी ने कहा कि ऑपरेशन के नाम पर दो तरह की मुश्किल आती हैं। एक तो दवा से लेकर कई तरह की किट बाहर से लेनी पड़ती हैं ।

पंडित श्री राकेश तिवारी महाराज जी संगीतमय भक्ति साधना एवं राम कथा के कथा वाचक के मुख से कथा का प्रोग्राम महाराजगंज उत्तर प्रदेश में भव्य प्रोग्राम हुआ

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

अंबेडकरनगर । महाराजगंज बाजार में 9 तारीख को पंडित श्री राकेश तिवारी महाराज जी संगीतमय भक्ति साधना राम कथा एवं हरि कथा की कथा वाचक के मुखारविंद के द्वारा महाराजगंज में काफी भव्य प्रोग्राम हुआ और सभी क्षेत्रवासी एवं ग्राम ग्रामीण वासी महाराज जी के मुख से कथा को सुनकर काफी भाव विभोर हो गए और मंत्रमुग्ध हो गए कथा में महाराज जी के मुखारविंद से शबरी की कथाएं महाभारत की कथाएं और श्री कृष्ण की कथाएं को उन्होंने विस्तार पूर्वक कहा और संगीतमय का रसपान किया महाराज जी के मुखारविंद के द्वारा सभी भक्तगण कथा को सुनकर मंत्रमुग्ध हो गए और महाराज जी की कथा काफी सभी को बहुत ही अच्छा लगा और कार्यक्रम के संयोजक एवं ग्राम प्रतिनिधि कमलेश कुमार और सुभाष

चंद्र जी ने काफी भव्य प्रोग्राम करवाया और इस कार्यक्रम में डॉ विकास डॉक्टर देवेंद्र सुरेंद्र चौरसिया केवल वर्मा सुनील कुमार तुलसीराम वर्मा और बहुत सारे क्षेत्रवासी एवं गरीब में ग्रामीण वासी उपस्थित रहे

मुख्य विकास अधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया

संवाददाता, सिद्धार्थनगर । जयेन्द्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी द्वारा खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड-लोटनबाजार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय पूर्वान्ह 10.55 तक सहायक विकास अधिकारी, पंचायत, अवर अभियन्ता व जिलेदार, लद्यु सिचाई, बी0एम0एम, लेखा सहायक-मनरेगा, कम्प्यूटर आपरेटर-मनरेगा अनुपस्थित पाये गये। खण्ड विकास अधिकारी, लोटनबाजार को निर्देशित किया गया सम्बन्धित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए अग्रेतर कार्यवाही करें। मनरेगा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं आजिविका मिशन सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं में प्रगति की समीक्षा किया गया। उक्त के अतिरिक्त विकास खण्ड क्षेत्र के अन्तर्गत निराश्रित गोवंश एवं गौशाला निर्माण एवं संचालन की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिया गया। खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि परिसर मे स्थित जर्जर भवन को नियमानुसार निष्प्रयोज्य धोषित करते हुए अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित करें।

विद्यालय के भवन निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

कटरा बाजार, गोण्डा। कटरा बाजार क्षेत्र में बन रहे विद्यालय के भवन में घटिया सामग्री का प्रयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है। इस निर्माणाधीन भवन से बच्चों के भविष्य पर खतरा मंडरा रहा है। प्राथमिक विद्यालय बनगांव पूरेमाधव सिंह में बन रहे नवनिर्मित मूल भवन के निर्माण में भारी अनियमितताएं बरती जा रही हैं। भवन निर्माण में पीले ईंट व बालू का ज्यादा प्रयोग किया जा रहा है। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक जितेंद्र सिंह ने खंड शिक्षा अधिकारी सहित बीडीओ से लिखित शिकायत की है। उन्होंने बताया कि ब्लाक से किसी जेई ने मौके पर आकर जांच भी किया था, लेकिन इसके बावजूद घटिया सामग्री

से भवन का निर्माण कार्य चलता रहा। प्राथमिक विद्यालय बनगांव पूरे भदैंया में बन रहे विद्यालय के मूलभवन में भी घटिया सामग्री का प्रयोग हो रहा है। प्रधानाध्यापक पंकज सिंह ने बताया कि घटिया मिटीरियल से प्रयोग किया जा रहा था जिसकी शिकायत के बाद कुछ स्तर पर सुधार हुआ है। प्राथमिक विद्यालय पूरे महोलिया में तैनात प्रभारी प्रधानाध्यापक मोहम्मद अकरम ने बताया कि विद्यालय में बन रहे मूल भवन में पीले ईंटों से निर्माण कराया जा रहा है। शिकायत के बाद कुछ दिन पहले वहां बीईओ जांच के लिए आए थे ? लेकिन इसके बावजूद कोई सुधार नहीं दिखाई दे रहा है।

सार्वजनिक अवकाशों में भी खुले रहेंगे कार्यालय : डीएम

गोण्डा में जारी की गई चुनाव प्रक्रिया की समय सारिणी

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

गोण्डा। राज्य निर्वाचन आयोग लखनऊ द्वारा नगर निकाय के निर्वाचन की अधिसूचना जारी करने के बाद जिलाधिकारी डॉ उज्वल कुमार ने नगर पालिका परिषद गोण्डा, नवाबगंज व कर्नलगंज तथा नगर पंचायत खरगूपुर, धानेपुर, कटरा, परसपुर, मनकापुर, तरबगंज व बेलसर के अध्यक्ष व उनके सदस्य के सामान्य निर्वाचन हेतु अधिसूचना जारी कर दी है। डीएम डॉ उज्वल कुमार ने बताया कि 11 से 17 अप्रैल तक नाम निर्देशन पत्रों की बिक्री व जमा करने की कार्रवाई होगी। 18 अप्रैल को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी जबकि 20 अप्रैल तक अभ्यर्थी अपना नाम वापस ले सकते हैं। 21 अप्रैल को प्रतीकों का आवंटन किया जाएगा

और 4 मई को मतदान व 13 मई को मतगणना होगी। उन्होंने सभी क्षेत्रों के आरओ को निर्देशित किया कि वह अपने क्षेत्रों में अधिसूचना जारी करें। इसके साथ ही इसका व्यापक प्रचार-प्रसार भी कराएं। उन्होंने सार्वजनिक अवकाश में संबंधित कार्यालयों के खुले रहने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने बताया कि सामान्य निर्वाचन की प्रक्रिया के दौरान 5 सूत्री रणनीति पर लगातार फोकस किया जाएगा। यानी टेस्ट ट्रैक ट्रीट टीकाकरण और कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन किया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह चुनाव संबंधी सभी कार्यों को समय से संपादित करें।

साइबर फॉड के शिकार पांच लोगों को पुलिस ने वापस कराया पैसा

संवाददाता, नवाबगंज, गोण्डा। स्थानीय थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में साइबर फाड का शिकार हुए 05 लोगों को पुलिस की सक्रियता के कारण अपने खातों से गायब हो चुकी रकम वापस मिल गयी। डूबा हुआ रुपया वापस पाकर पीड़ितों के चेहरे पर रौनक आ गई। पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर द्वारा समय-समय पर साइबर अपराध के प्रति लोगों को जागरूक किया जाता रहा है। इसके साथ ही साइबर अपराध पर अंकुश लगाने एवं पीड़ितों की सहायता करने के दिशा-निर्देश जनपद के सभी थाना अध्यक्षों और प्रभारी निरीक्षकों को दिए गए हैं। इसी अनुक्रम में नवाबगंज पुलिस द्वारा साइबर क्राइम का शिकार हुए 05 लोगों को उनके बैंक खातों से गायब हुई रकम वापस कराई गई। कस्बे के नया बाजार निवासी संतोष ने बताया कि उसके पास एक फोन आया जिस पर उसे क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का प्रलोभन देते हुए ओटीपी बताने को कहा गया। जैसे ही संतोष ने ओटीपी बताया, वैसे ही उसके खाते से 14000 रूपये छू-मंतर हो गए। किशुनदासपुर निवासी बुधराम पढ़ना-लिखना नहीं जानता है। उसके मोबाइल पर एक एसएमएस आया तो गाँव के लोगों ने बताया कि उसके खाते से 24709 रूपये डेबिट हो गया है। इसी तरह लौव्वावीरपुर के राजकुमार, महंगूपुर के कृपाशंकर और नंदपाल सिंह भी साइबर क्राइम का शिकार बन चुके थे। इन सभी 05 लोगों के खातों से एक लाख रुपये से भी ज्यादा रकम गायब हो चुकी थी। प्रभारी निरीक्षक करूणाकर पांडेय ने बताया कि इन सभी 05 लोगों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कुल 01 लाख 48 हजार 307 रुपये पीड़ितों के खातों में वापस कराये गए हैं। अपने डूबे हुए पैसे वापस पाकर पीड़ितों के चेहरे की रौनक लौट आई।

मायावती ने बस्ती जिले के दो पूर्व मंत्रियों को पार्टी से किया निष्कासित

संवाददाता, बस्ती। सीएम शिंदे का स्वागत करना पड़ा भारीबता दें यूपी सरकार में पूर्व मंत्री रहे राज किशोर सिंह और बृज किशोर सिंह को बसपा ने निष्कासित कर दिया है। मायावती ने अयोध्या में महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे का स्वागत करने की वजह से दोनों नेताओं पर ऐक्शन लिया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने निकाय चुनाव के ऐलान के बीच पार्टी से जुड़े दो कद्दावर नेताओं पर ऐक्शन लिया है। यूपी सरकार में पूर्व मंत्री रह चुके राज किशोर सिंह और बृज किशोर सिंह को बसपा ने निष्कासित कर दिया है। बस्ती और निकट जिलों में प्रभाव रखने वाले दोनों भाइयों को अयोध्या में महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के स्वागत में शामिल होने की वजह से निकाला गया है।बस्ती के बसपा जिलाध्यक्ष जयहिंद गौतम ने लेटर जारी करते हुए राज किशोर सिंह और बृज किशोर सिंह को निष्कासित किए जाने की कार्रवाई की है। बसपा ने अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की वजह से दोनों कद्दावर नेताओं के खिलाफ ऐक्शन लिया है। निकाय चुनाव से पहले यह बड़ी कार्रवाई हैं। बता दें राजकिशोर सिंह 3 बार के विधायक और सपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे हैं। उनकी गिनती कद्दावर नेताओं में होती है। वहीं उनके छोटे भाई बृजकिशोर सिंह डिंपल को राज्यमंत्री का दर्जा दिया गया था। 2019 में दोनों ने सपा छोड़कर कांग्रेस और फिर एक साल बाद बसपा का दामन थाम लिया था। अयोध्या में महाराष्ट्र सीएम और उनकी कैबिनेट का दोनों भाइयों की तरफसे भव्य स्वागत किया गया था।

निर्वाचन की अधिसूचना जारी होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू, उल्लंघन करना दंडनीय : डीएम

चुनाव प्रचार हेतु वाहनों के प्रयोग के लिए जिला प्रशासन से लेनी होगी अनुमत

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

बस्ती। जिला मजिस्ट्रेट, जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग उ0प्र0 द्वारा निर्वाचन की अधिसूचना जारी होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गयी है, जो निर्वाचन प्रक्रिया समाप्त होने तक नगरीय निकाय क्षेत्रों में लागू रहेंगी। सामान्य आचार संहिता- उन्होने बताया कि सभी राजनैतिक दल, उम्मीदवार, उनके प्रतिनिधि निर्वाचन के दौरान आयोग के निर्देशों का पालन करेंगे। ऐसा कोई कार्य लिखकर, बोलकर अथवा किसी प्रतीक के माध्यम से नही करेंगे, जिससे किसी धर्म (मजहब), सम्प्रदाय, जाति या सामाजिक वर्ग एवं राजनीतिक दल, उम्मीदवार, राजनीतिक कार्यकर्ताओं की भावना आहत हो या उससे विभिन्न वर्गो, दलों, व्यक्तियों के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हों। किसी उम्मीदवार के व्यक्तिगत जीवन से संबंधित पहलुओं पर आलोचना नही की जायेंगी। उन्होने यह भी बताया कि मत प्राप्त करने के लिए जातीय, साम्प्रदायिक और धार्मिक भावना का परोक्ष या अपरोक्ष रूप से सहारा नही लिया जायेंगा। पूजा स्थलों जैसे मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर व गुरूद्वारा आदि का उपयोग निर्वाचन में प्रचार हेतु तथा निर्वाचन संबंधी अन्य कार्यो हेतु नही किया जायेंगा। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा यह भी बताया गया कि सभी राजनीतिक दल, उम्मीदवार, इलेक्शन एजेंट चुनाव प्रचार के दौरान आयोग के निर्देशों का पालन करेंगे। राजनीतिक दल, उम्मीदवार या उनके समर्थक पुतला लेकर नही चलेंगे या उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर नही जलायेगे अथवा इस प्रकार के अन्य कृत्य व प्रदर्शन नही करेंगे। चुनाव प्रचार हेतु किसी व्यक्ति की भूमि, भवन, अहाते, दीवार का उपयोग झंडा लगाने, झंडिया टांगने, बैनर लगाने जैसे कार्य उस व्यक्ति के अनुमति के बिना नही करेंगे और ना ही अपने चुनाव कार्यकर्ता एजेंट को ऐसा करने देंगे। उन्होने बताया कि शासकीय व सार्वजनिक सम्पत्ति, स्थल, भवन परिसर में विज्ञापन वाल राइटिंग नही करेंगे। कटआउट, होर्डिंग एवं बैनर आदि नही लगायेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चुनाव प्रचार हेतु वाहनों के प्रयोग के लिए जिला प्रशासन से अनुमति प्राप्त करेंगे। प्रचार हेतु लाउडस्पीकर एंव साउण्ड बाक्स के प्रयोग के लिए पूर्व अनुमति लेकर ही उपयोग करेंगे। कोई भी मुद्रक या प्रकाशक या कोई व्यक्ति ऐसी कोई निर्वाचन व प्रचार सामाग्री जिसके मुख्य पृष्ठ पर उसके

मुद्रक व प्रकाशक का नाम और पता ना हो, मुद्रित या प्रकाशित नही करेंगे और ना ही मुद्रित प्रकाशित करायेंगे। मुद्रण के अन्तर्गत फोटोकापी भी शामिल है। किसी व्यक्ति द्वारा राजनीतिक दलों व प्रत्याशियों की अनुमति के बिना उनके पक्ष में निर्वाचन विज्ञापन या प्रचार सामग्री प्रकाशित नही कराया जायेंगा। यदि कोई व्यक्ति इसका उल्लघंन करता है तो उसका यह कृत्य भा.द.सं. की धारा 1 एक्स71-एच के अन्तर्गत दण्डनीय होंगा। उन्होने यह भी बताया कि सभाए एवं जुलूस आयोजन के लिए जिला प्रशासन से पूर्व अनुमति लेना होगा। जुलूस में लाउडस्पीकर या किसी प्रचार वाहन, वीडियों वाहन का उपयोग जिला प्रशासन से अनुमति लेकर करेंगे। रात्रि के 10.00 से प्रातः 06.00 बजे तक लाउडस्पीकर का प्रयोग नही किया जायेंगा। इस दौरान जिला प्रशासन द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत असलहें, लाठी-डण्डे, ईट-पत्थर आदि लेकर नही चलेंगे।

जो शासन की प्राथमिकता वही मेरी भी प्राथमिकता - एसडीएम सौरभ शुक्ला

सवांददाता, अम्बेडकरनगर जनपद के आलापुर तहसील के नवागत उपजिलाधिकारी सौरभ शुक्ला ने कल देर शाम अपना विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। आज प्रातः उन्होंने मातहतों से उनका परिचय प्राप्त कर क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति की जानकारी लिया अपने कार्यालय कक्ष में उन्होंने अधिवक्ताओं से भी मुलाकात किया तथा फरियादियों की समस्या सुनकर मातहतों को निस्तारण का निर्देश दिया। बाद में मीडिया कर्मियों से मुखातिब उपजिलाधिकारी सौरभ शुक्ला ने अपनी प्राथमिकताएं गिनाते हुए कहा कि जो शासन की प्राथमिकता है वही मेरी भी प्राथमिकता है शासन की जनकल्याणकारी नीतियों का प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वयन कराना सुनिश्चित किया जाएगा।

धारदार हथियार के साथ गिरफ्तार कर भेजा जेल

संवाददाता, ऊँचाहार, रायबरेली। छिपिया मजरे इटौरा बुजुर्ग निवासी युवक को पुलिस ने धारदार हथियार के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा है। गांव निवासी उमलेश रविवार की देर शाम रामपुरी चाकू लेकर घूम रहा था। मुखबिर की सूचना पर दरोगा सचिन शर्मा ने उसे सेमरी रनापुर गांव के पास पकड़कर लिया। और कोतवाली ले आए।इस बाबत कोतवाल बालेंदु गौतम ने बताया कि युवक पर संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेजा गया है।

स्नान करने गया किशोर गंगा नदी में डूबा, मौत

संवाददाता, ऊँचाहार, रायबरेली। पूरे तीर खरौली घाट पर दोस्तों के साथ स्नान करने गया किशोर गंगा नदी में डूब गया, आसपास मौजूद नाविकों ने उसे बाहर निकाला और जानकारी परिजनों को दी, सूचना पर पहुंचे परिजनों की मदद से उसे सीएचसी लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है, वहीं इस घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। क्षेत्र के नरवापार मजरे ऊँचाहार देहात गाँव निवासी रामसजीवन का पुत्र सिद्धांत 15 वर्ष सोमवार की दोपहर बाद गांव के ही कुछ दोस्तों के साथ पूरे तीर खरौली घाट पर स्नान करने गया था,तभी नहाते वक्त वो गहरे पानी में जाने के कारण वो डूबने लगा, साथी दोस्तों के चीख पुकार मचाने पर वहां मौजूद नाविकों ने उसे नदी में कूदकर बाहर निकाला,और जानकारी परिजनों को दी गई, मौके पर पहुंचे परिजनों द्वारा उसे आनन फानन सीएचसी पहुंचाया ,जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। मृतक सिद्धांत तीन बहनों में अकेला था, इस घटना से माँ सावित्री व पिता रामसजीवन का रोरोकर बुरा हाल है। इस बाबत सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज कुमार शुक्ल ने बताया कि किशोर को मृत अवस्था में सीएचसी लाया गया था। जबकि इस बाबत कोतवाल बालेन्दु गौतम ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा गया है, विधिक कार्यवाही की जा रही है।

किशोरी को बहलाकर भगाने एवं दुष्कर्म के दोषी को मिली 10 वर्ष के कठोर कारावास व 65 हजार रुपये अर्थदंड की सजा

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

सुलतानपुर। किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने एवं उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय व स्पेशल जज पाक्सो एक्ट अभय श्रीवास्तव की अदालत ने मुख्य आरोपी पंकज को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास एवं 65 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।अदालत ने सहआरोपी युवती को दोषी मानते हुए सात वर्ष के कारावास एवं 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।वहीं अदालत ने साक्ष्य के अभाव में एक महिला आरोपी को बरी कर दिया है। मालूम हो धम्मौर थाना क्षेत्र स्थित टंडवा गांव के रहने वाले आरोपी पंकज कोरी पुत्र लालचंद के खिलाफइसी थाना क्षेत्र की रहने वाली अभियोगिनी ने 21 जनवरी 2019 की घटना बताते हुए अपनी 17 वर्षीय पुत्री को बहलाकर भगा ले जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया। मामले में अभियोगिनी ने आरोपी पंकज कोरी के साथ-साथ इसी थाना क्षेत्र के सुमेरपुर के रहने वाली नीलम पुत्री हीरालाल कोरी व उसकी मां शकुंतला के खिलाफभी सहयोग करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया। आरोपियों के साथ गई किशोरी के जरिए नगदी व जेवर भी उठा ले जाने की बात एफआईआर में कही गई थी। इस घटना के संबंध में करीब 10 दिन बाद धम्मौर थाने में मुकदमा दर्ज हो पाया था, उसके पहले धम्मौर पुलिस मुकदमा दर्ज करने में टाल-मटोल करती रही। मामले में मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस सक्रिय हुई तो पीड़िता की बरामदगी हुई। बरामद किशोरी ने अपने बयान में तीनो आरोपियों के जरिए बहलाकर भगाने एवं आरोपी पंकज कोरी पर दुष्कर्म के आरोप की पुष्टि की। मामले में तीनो आरोपियों के खिलाफआरोप-पत्र दाखिल हुआ और अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय व स्पेशल जज पाक्सो एक्ट की अदालत में विचारण चला। इस दौरान बचाव पक्ष ने अपने साक्ष्यो एवं तर्कों को प्रस्तुत कर आरोपियों को बेकसूर बताया और फर्जी केस बनाने का तथ्य पेश किया। वहीं अभियोजन पक्ष से पैरवी कर रहे विशेष लोक अभियोजक अजय कुमार सिंह ने अपने साक्ष्यो एवं तर्को को पेश किया और आरोपियों को ही घटना का जिम्मेदार ठहराते हुए उन्हें दोषी ठहराकर कड़ी सजा से दंडित किए जाने की मांग की। उभय पक्षो को सुनने के पश्चात अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय व स्पेशल जज पाक्सो एक्ट अभय श्रीवास्तव की अदालत ने आरोपी महिला शकुंतला को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है,जबकि अदालत ने अन्य दोनों को दोषी करार दिया।

किसानों को गेंहू की फसल को आग से बचाने के लिए दी गयी जानकारी

संवाददाता, बस्ती। छावनी के थानाध्यक्ष दुर्गेश कुमार पाण्डेय ने गेंहू की फसल को आग से बचाने के लिए किसानों को जानकारी दिया। उन्होने कई गांव में किसानो के साथ बैठक कर फसल का अवशेष न जलाने का संकल्प दिलाया। थानाध्यक्ष ने कहा कि गेंहू की फसल का अवशेष किसानों द्वारा जला दिया जाता है जिससे खडी फसलों में भी आग लग जाती है।आग से किसानों के अरमानों पर पानी फिर जाता है और वे दानेदाने को मोहताज हो जाते है। उन्होने कहा कि यदि कहीं भी आग लगती है तो तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दें।

CMYK

अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन और बेटे अली पर एक और मुकदमा दर्ज

संवाददाता

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड में फंसे माफिया अतीक अहमद के परिवार पर लगातार कारवाई जारी है। अब धूमनगंज थाने में एक और एफआइआर लिखी गई है।जिसमें अतीक के बेटे और पत्नी शाइस्ता परवीन तथा पुराने नौकर राकेश लाला तथा साबिर को नामजद किया गया है।

अली और साबिर के मिले फर्जी आधार कार्ड.......

दरअसल,पुलिस ने पिछले दिनों राकेश लाला को जेल से कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ की तो उसने अतीक के तोड़े जा चुके कार्यालय से एक बैग पुलिस को बरामद कराया था जिसमें अली और साबिर के फर्जी आधार कार्ड मिले थे।

अतीक की पत्नी शाइस्ता ने छिपाने को दिया था बैग.......

राकेश लाला ने पुलिस को बताया कि यह बैग शाइस्ता परवीन ने उसे छिपाने के लिए दिया था। जाली आधार कार्ड बनवाने और उसे छिपाकर रखने के आरोप में शाइस्ता परवीन, राकेश, अली अहमद और साबिर को आरोपित बनाकर विवेचना शुरू की गई है।

50 हजार की इनामी है शाइस्ता परवीन.......

बता दें कि उमेश पाल हत्याकांड में अतीक अहमद और उसकी पत्नी शाइस्ता के साथ ही जेल में बंद अली को भी साजिश रचने का आरोपी पुलिस ने बनाया है। 50 हजार की इनामी शाइस्ता परवीन 24 फरवरी को उमेश पाल की हत्या के बाद से फरार है।

सामान्य ज्ञान व चित्रकला प्रीतियोगिता का पुरस्कार वितरण सम्मान समारोह आयोजित

संवाददात, हापुड़। हापुड़ में भारतीय सविधान निर्माता,भारत रत्न बाबा साहेब डाव अम्बेडकर जी के 132 वे जन्मोत्सव के उपलक्ष में रविवार 2 अप्रैल 2023 को समस्त बहुजन समाज के द्वारा मेरठ रोड पर स्थित दीवान इंटर कॉलेज में महापरूषों के जीवन परिचय का ज्ञान और देश भक्ति की भावना के उद्देश्य से सामान्य ज्ञान व चित्रकला प्रीतियोगिता आयोजित की गई थी और प्रतियोगिता में हापुड़ जनपद के गाजियाबाद बुलंदशहर, मेरठ व चंदौसी के साथ अन्य जिलों के लगभग 900 छात्र छात्राओं ने भाग

लिया जिसका शनिवार को प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले सभी छात्र छात्राओं को तथागत गौतम बुद्ध व बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर पर पुष्प अर्पित कर कैंडल जलाकर प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान देते हुए छात्रों को पुरस्कार वितरण सम्मान समारोह हापुड़ के रामलीला ग्राउंड में आयोजित किया गया साथ ही प्रतियोगिताओं को आयोजित कराने वाले आयोजक कर्ता प्रोफेसर ओमपाल के साथ साथ सभी सहयोगी सम्मानित साथियों शिक्षक व शिक्षिकाओं व मुख्य अतिथियों आयोजर्ताओं सहित प्रोग्राम की कवरेज कर रहे पत्रकारों को भी को सम्मानित किया गया। वहीं डॉ अरुण कुमार ने बताया है कि इस सामान्य ज्ञान व चित्रकला का आयोजन बहुजन समाज में जन्मे महापुरुषों के जीवन परिचय पर आधारित महापुरुषों की पेंटिंग बनाकर उनकी विचारधारा को बच्चों के प्रति जागरूक करना है।

गठिया, असाध्य घुटना जोड़ प्रत्यारोपण पर गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता

कानपुर। सत्या चौक स्थित बर्रा सत्य हॉस्पिटल में एसटीएमसी व आईएपी द्वारा स्पोर्ट्स इंजरी, गठिया, जोड़ प्रत्यारोपण, विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया द्य इस कार्यक्रम में कोने कोने से स्पोर्ट्स इंजरी विशेषज्ञ, फिजीओथेरपिस्ट आए। आर्थरोसकोपी दूरबीन विधि से बगैर चीरफाड़ किए हुए, बगैर ब्लड लॉस किए हुए, मिनीमाल इनवॉइस टेक्नीक है जो कि जोड़ो के टूटे हुए लिगमेंटो को,आसपास के टिशू को बिना क्षतिग्रस्त किए हुए, रिपेयर कर देता है। इससे स्पोर्ट्स इंजरी से ग्रसित मरीज अगले ही दिन से चलने लगता है व उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल में रुकना भी नहीं पड़ता। इस आधुनिक विधि की आशातीत सफलता इसी से दर्शाती है कि इस विधि से 2 करोड़ से अधिक ऑपरेशन प्रतिदिन होते हैं जो कि हर वर्ष तेजी से बढ़ रहे हैं। आने वाले समय में यह पद्धति, सामान्य चीरे वाली पद्धति, जिसमें कि ब्लड लॉस भी होता है, को रिप्लेस करती जा रही है। इस आधुनिक पद्धति से सचिन तेंदुलकर, फेडरर, माइकेल जॉर्डन, रास टेलर, विराट कोहली .अनगिनत लोग अपनी प्रफेशनल जिंदगी को वापस पा पाएँ हैं।घुटने की गठिया के जोड़ प्रत्यारोपण व बगैर प्रत्यारोपण के इलाज का सचित्र प्रदर्शन किया गया। डॉ ए के अग्रवाल ने इसे विस्तार से बताया। कोर्स का शुभारम्भ कोर्स के ऑर्गनायजिंग सेक्रेटेरी डॉक्टर मनीषा अग्रवाल के स्वागत से शुरू हुआ। टेड़े हुए लाइलाज घुटने से पीड़ित हर्षिता का जटिल ऑपरेशन डॉ एके अग्रवाल द्वारा सत्य अस्पताल में किया गया था। ऑपरेशन की सफलता व हर्षिता की मेहनत रंग लायी व वह पुन: अपने पैर थिरकाने लगी। इतने जटिल ऑपरेशन के बाद उसकी नृत्य प्रस्तुति ने सबका मन मोहा। कार्यक्रम में डॉ अमित मिश्रा, डा रवि गुप्ता, डा आलोक, डा प्रतीक, डा प्रियंका, डा एस पी सिंह डा अनुज आदि लोग मौजूद रहे।

शिक्षा की ओर बढते कदम,सोसायटी द्वारा शिक्षा से संबंधित सामग्री की वितरित

संवाददाता, हापुड़। जनपद हापुड़ के ग्राम बनखंडा में निरूशुल्क शिक्षा अभियान के तहत मिशन पै बैक टू सोसायटी द्वारा भारत रतन डॉ.भीम राव अम्बेडकर पुस्तकालय को पुन: संचालित किया गया आपको बता दें कि ग्राम बंखंडा में निरूशुल्क शिक्षा अभियान के तहत आस पास के पढने वाले करीब डेढ़ सो बच्चों को मिशन पे बैक टू सोसायटी द्वारा शिक्षा से संबंधित सामग्री उपलब्ध करायी तो वहीं एक सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को स्कूल बैग व अन्य शिक्षा सामग्री द्वारा भी सम्मानित किया गया और सभी निरूशुल्क शिक्षा अभियान के शिक्षकों को भी मिशन पे बेक टू सोसाइटी द्वारा सम्मानित किया गया! इस कार्यक्रम का शानदार मंच संचालन जनकवि बेखौफ शायर डॉ. नरेश सागर ने किया तथा निशुल्क शिक्षा अभियान की नींव रखने वाले चेतन कुमार ने कहा कि ष्ये बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर जी का सपना था और मेरा भी जो आज सफल होता दिखाई दे रहा है! तो वहीं राजीव उर्फमोनू ने कहा कि हम इस अभियान को मिल जुल कर बड़े स्तर तक ले जाएंगे ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित ना रहे। वहीं मिशन पे बैक टू सोसाइटी के सदस्य गणों ने कहा कि हमारा उद्देश्य गरीब शोषित वंचित लोगों के बच्चों को सोसायटी द्वारा शहर व गांवों में पुस्तकालय की नींव रख कर ज्यादा से ज्यादा बच्चों को शिक्षित करना है तथा बच्चे अपने महापुरुषों के विषय में जाने इस मौके पर मिशन पे बैक टू सोसाइटी के सदस्य रामप्रसाद, ओमवीर सिंह, जे. सी. आदर्श, हुकुम सिंह, प्रोफेसर आर. एस., बी. बी. सिंह, ओमवीर सिंह, अशोक दास, खेमचंद, जे. एल गौतम, आर. एस. आर्या, चरण सिंह, डालचंद,खेमचंद, हिन्दू सिंह, प्रेम चंद, सुनिल कुमार, डॉ. जितेंद्र, गोपीचंद, आदि उपस्थित रहे!

दंत चिकित्सकों का भव्य सेमिनार आयोजित

संवाददाता

कानपुर। रीजेंटा क्रिस्टल होटल में डॉ बासु सक्सेना द्वारा कानपुर नगर के प्रतिष्ठित डेंटल सर्जनो की एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें दांतो से संबंधित बीमारियों की परफेक्ट डायग्नोसिस आदि पर प्रकाश डाला गया डॉ0 अनुभवी और निपुण ओरल बासु सक्सेना ने बताया कि एंड मैक्सीलल फेशियल रेडेंट एक डेंटल एंड रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर वासु मॉँडिलोफेशियल इमेजिंग का सिद्धार्थ सक्सेना के हैं ये सेंटर है जो पिछले 8 वर्ष से दांतो की सीटी जांच और लखनऊ में चल रहा है ये तमाम तरह के एक्सरे का केंद्र है यहां अत्याधुनिक तकनीक की मशीनें इस्तेमाल होती हैं अभी सुविधा कानपुर शहर में भी डॉ बासु के द्वारा उपलब्ध कराई जा रही जिसकी शाखा अशोकनगर फातिमा कॉन्वेंट स्कूल के पास स्थित है । यहां दातों की बीमारियों की परफेक्ट डायग्नोसिस की विशेष सुविधा उपलब्ध है।

महापुरुषों के जीवन पर अधारित ग्राम मंसूरपुर में अंबेडकर जन्मोत्सव समिति द्वारा सामान्य ज्ञान एवं कला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

संवाददाता

हापुड़। हापुड़ के ग्राम मंसूरपुर मे अंबेडकर जन्मोत्सव समिति द्वारा सामान्य ज्ञान एवं कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 300 छात्रों ने भाग लिया जिसका परिक्षा फल बाबासाहेब के जन्मोत्सव पर 14 अप्रैल को घोषित करके बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा। इस परीक्षा को पूर्ण कराने में दिनेश ,देवेंद्र , आकाश,अनुज, रेखा, रुपेश, शिवम, सुनील ,सुमन ,दीपक सहायक अध्यापक संदीप जी आदि का विशेष योगदान रहा और परीक्षा का आयोजन वरिष्ठ समाजसेवी रजनीश पायलट की देख रेख में हुआ व मुख्य आयोजक अनुज कुमार ने बताया कि परीक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों को महापुरुषों के जीवन के बारे में जानकारी देना एवं कला और पढ़ाई की तरफउन्हें अग्रसर करना है ताकि भविष्य में वो अपने महापुरुषों को याद रखते हुए शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र में उन्नति कर सकें।

राज कलर्स पेंट आउटलेट का भव्य शुभारंभ

संवाददाता, कानपुर। किदवई नगर क्षेत्र जूही गौशाला अंतर्गत राज कलर्स पेंट आउटलेट का भव्य शुभारंभ हुआ कार्यक्रम के दौरान टी के खन्ना ने पत्रकारों को बातचीत करते बताया कि आज हमारे नवनिर्मित राज कलर्स का शुभारंभ मुख्य अतिथि यूपी विधानसभा अध्यक्ष मा0 सतीश महाना के कर कमलों द्वारा फीता काटकर किया गया सभी परिवारिक लोगों ने पुष्पगुच्छ देकर उनका सम्मान किया उन्होंने सभी को शुभकामनाएं भेंट करते हुए आभार व्यक्त किया जैसा कि सभी का सपना होता है कि अपना घर एक सुंदर सा हो और घर जब सुंदर लगता है जब उसमें अच्छे रंगों से सजाया गया हो ऐसा ही कुछ लोगों के मन को ध्यान में रखते हुए दक्षिण क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के विशेष कंपनी के हमारे यहां पेंट की श्रृंखला उपलब्ध कराई जाती है और अनुभवी कारीगरों द्वारा डिजिटल कलर मैचिंग एवं टेक्सचर पेंटिंग के भी सुविधा उपलब्ध है हमार प्रतिष्ठान दक्षिण क्षेत्र के ब्लॉक किदवई नगर कानपुर में स्थित है इस अवसर पर शहर वासियों कहना चाहूंगा हमारे यहां आए और अत्याधुनिक नए कलर्स उच्च क्वालिटी के पेंट विशेषता को जाने और परखे और एक बार सेवा का अवसर जरूर प्रदान करें इस दौरान मुख्य रूप से अमित खन्ना सुमित खन्ना नितेश शर्मा केवल कपूर सुभाष कपूर आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अतीक के गुर्गे आसाद कालिया की दबंगई

दोहरे हत्याकांड के गवाह को 10 गुर्गों संग धमकाने पहुंचा था, गेट तोड़ने की कोशिश, पत्थर फेंके

संवाददाता, प्रयागराज। साल 2016 में सुरजीत-अलकमा का मर्डर हुआ। इसके गवाह साबिर उर्फशेरू के घर पर हमला करने आसाद कालिया अपने साथियों के साथ पहुंचा था। माफिया अतीक अहमद के गुर्गे आसाद कालिया पर दो दिन पहले धमकाने और रंगदारी मांगने की प्राथमिकी भी दर्ज हुई थी। अब उसकी दबंगई का एक वीडियो सामने आया है। इसमें साफतौर पर दिखाई दे रहा है कि वह हथियारों से लैस होकर 10 से ज्यादा गुर्गों के साथ 3 लग्जरी गाड़ियों से साबिर उर्फशेरू के घर पहुंचता है। साबिर 2016 में हुए सुरजीत-अलकमा हत्याकांड के गवाह है। इस हत्याकांड में माफिया अतीक अहमद और उसका भाई अशरफ नामजद हैं। पहले वह साबिर के घर का गेट तोड़ने की कोशिश करता है। जब गेट नहीं तोड़ पाता तो शेरू को बाहर निकलने के लिए ललकारता है। जब शेरू बाहर नहीं आता है तो आसाद कालिया उसके घर पर पत्थर फेंकने लगता है। पूरी घटना सीसी टीवी फुटेज में कैद हो गई है। वीडियो 14 अप्रैल 2019 को दोपहर 1रू45 बजे का है।

अगर गेट टूट जाता तो मेरी हत्या हो जातीरू साबिर.....

साबिर उर्फशेरू ने बताया कि उस दिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अतीक अहमद और अशरफके खिलाफ चार्ज बना था। कचहरी से मैं अपने घर की बजाय करेली स्थित अपने भाई के घर चला गया। वहां मेरा पीछा करते आसाद कालिया और उसके 10 से ज्यादा साथी 3 गाड़ियों से पहुंचे और गाली देने लगे। गेट तोड़ने की कोशिश की। गवाह साबिर उर्फशेरू ने बताया कि कैसे उसके ऊपर गवाही बदलने का दबाव बनाया जा रहा है। अगर गेट टूट जाता, तो मेरी हत्या हो जाती। मैं वहां दूसरे गेट से निकलकर अपने घर गया। हमलावर वहां भी पहुंच गए। वहां भी फायरिंग किए। गाली दिए। किसी तरह से बचकर वहां से भी मैं भागा।श्4 साल से कहीं नहीं जाता, बस अपनी जान बचाए फिरता हूं। पता नहीं कब अतीक के गुर्गों की गोलियां मुझे छलनी कर दे। इसका हमेशा डर बना रहता है। जब से योगी सरकार आई है, तब से थोड़ा यह डर कम हुआ है। लेकिन उमेश पाल हत्याकांड के बाद डर फिर हावी हो गया है। मेरी मांग है कि योगी सरकार आसाद कालिया को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दे।

अतीक के गुर्गे असाद कालिया पर दर्ज हैं कई मुकदमे

आसाद कालिया अतीक अहमद का काफी खास माना जाता है। अतीक की शह पर आसाद कालिया ने रातों-रात दबंगई से करोड़ों की बेशकीमती जमीनों पर अवैध प्लॉटिंग की है। 31 दिसंबर 2021 को जीशान उर्फजानू ने अतीक और उसके बेटे अली के साथ ही आसाद कालिया पर भी करेली थाने में मुकदमा दर्ज कराया था।इसके बाद आसाद कालिया फरार हो गया है। फिर पुलिस ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है।

हत्या के मामले में फरार चल रहे अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया

संवाददाता

कानपुर। जाजमऊ थाना अंतर्गत बीते वर्ष नवंबर माह में युवक की साथियों के साथ मिलकर पीट-पीटकर हत्या करने के मुकदमे में वांछित चल रहे 25000 का इनामी अभियुक्त को थाना जाजमऊ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के खिलाफपुलिस विधिक कार्यवाही कर रही है। थाना जाजमऊ पुलिस ने मुखविर की सूचना पर मु0अ0सं0 9622020 धारा 147148149302323/50450634 भादवि0 से सम्बन्धित 25000- का ईनामिया अभियुक्त सैफउर्फदादा पुत्र असलम नि0 वाजिदपुर थाना जाजमऊ कानपुर नगर मूल निवासी कोडिया बैसपुर पोस्ट अमीलो थाना मुबारकपुर जिला आजमगढ उम्र करीब 28 वर्ष को गिरफ्तार किया। जिसके द्वारा अपने अन्य सह अभियुक्तों के साथ मिलकर दिनांक 15.11.2022 को पिन्टू की पीटपीटकर हत्या कारित कर दी गयी थी। अभियुक्त सैफउर्फदादा उपरोक्त के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता सैफउर्फदादा पुत्र असलम नि0 वाजिदपुर थाना जाजमऊ कानपुर नगर मूल निवासी कोडिया बैसपुर पोस्ट अमीलो थाना मुबारकपुर जिला आजमगढ उम्र करीब 28 वर्ष गिरफ्तार करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक रामबाबू सिंह, उ0नि0 राजबहादुर सिंह, उ0नि0 प्रवीण कुमार, हे0का0मो0 नफीस, का0 अजय कुमार शामिल रहे।

मंदिर पर कब्जा कर दबंग बनवा रहे मकान

❑ विरोध करने पर आरोपी फर्जी मुकदमे में फंसाने की देते हैं धमकी, महिलाएं हो जाती लामबंद

संवाददाता, प्रयागराज। जनपद से 50किलोमीटर की दूरी पर स्थित उतरांव थाना क्षेत्र के मैराडाड़ गांव में दबंग शंकर भगवान के मंदिर पर कब्जा कर मकान निर्माण करा रहे।इसको लेकर ग्रामीणों में गुस्सा है। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान कृपाशंकर पासी से मिलकर मंदिर को मुक्त कराये जाने की मांग की।लोगों ने बताया कि लगभग डेढ़ दशक पहले ग्रामीणों के सहयोग से ग्राम सभा की जमीन पर शंकर भगवान के मंदिर का निर्माण कराया गया था। आरोप है कि सत्यदेव,ब्रह्म देव, धर्मदेव पुत्र स्वर्गीय राम करीब निवासी मैराडाड़ मंदिर पर कब्जा कर मकान निर्माण करा रहे हैं। यह भी आरोप है कि ग्रामीणों के विरोध करने पर दबंगों के घर की महिलाएं लामबंद होकर गाली-गलौज कर फर्जी मुकदमे में फंसाए जाने की धमकी देती हैं। आरोपियों की पुलिस से शिकायत भी की गई है।

ग्रामीणों ने आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की ....

ग्रामीणों ने आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है।ग्राम प्रधान कृपाशंकर पासी ने बताया कि गांव के लोगों ने मिलकर मंदिर का निर्माण कराया था। लेकिन इस समय दबंगों ने मंदिर पर कब्जा कर लिया है। थानाध्यक्ष श्रवण कुमार ने कहा कि जांच कर दोषी के खिलाफकार्रवाई की जाएगी। वहीं मंदिर पर दबंगों द्वारा अवैध कब्जा किए जाने पर पूरे गांव के लोगों ने लामबंद होकर आक्रोश जताया है।

CMYK

सऊदी अरब व ईरान अपने दूतावासों को पुनः खोलने एवं हवाई यात्रा सुगम बनाने पर सहमत

एजेंसी, बीजिंग। सऊदी अरब और ईरान अपनी-अपनी राजधानी और अन्य शहरों में राजनयिक मिशन को फिर से खोलने पर सहमत हो गए हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी आईएसएनए ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। इस रिपोर्ट की तत्काल आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।रिपोर्ट के अनुसार समझौते में दोनों देशों के बीच उड़ानों को फिर से शुरू करने की संभावना का अध्ययन करने और दोनों देशों के नागरिकों के लिए वीजा प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने की भी बात की गई है। सऊदी अरब और ईरान लंबे समय से क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी रहे हैं लेकिन पिछले महीने चीन की

मध्यस्थता के बाद वे सुलह की ओर बढ़ रहे हैं। अगर इस समझौते की पुष्टि हो जाती है तो यह दोनों देशों के बीच सात साल के तनाव के बाद सुलह की दिशा में एक अहम कदम होगा। इस सुलह की प्रक्रिया पिछले महीने शुरू हुई थी। दोनों देशों के बीच प्रारंभिक सुलह समझौता मार्च में चीन की मध्यस्था में हुआ था। माना जाता है कि यह समझौता चीन के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत होगी क्योंकि खाड़ी के अरब देश देख रहे हैं कि अमेरिका धीरे-धीरे मध्य पूर्व से हट रहा है। इस बीच राजनयिक यमन में युद्ध को भी समाप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। यमन के संघर्ष में ईरान और सऊदी अरब भी शामिल हैं। बृहस्पतिवार की सुबह, सऊदी अरब के सरकारी टीवी चौनल अल-एखबरिया ने प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद और उनके ईरानी समकक्ष, हुसैन अमीरबदोलहियान को हाथ मिलाते हुए और अगल-बगल बैठे हुए दिखाया। ईरान के सरकारी टीवी चौनल ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने दूतावासों को फिर से खोलने के संबंध में चर्चा के लिए मुलाकात की।

बैसाखी से पहले भारतीय सिख तीर्थयात्रियों के लिए 2,856 वीजा जारी

पाकिस्तान के वार्षिक उत्सव में ले सकेंगे हिस्सा

एजेंसी, बैसाखी के अवसर पर नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने सिख तीर्थयात्रियों को 2,856 वीजा जारी किए हैं, जो 9-18 अप्रैल 2023 तक पाकिस्तान में वार्षिक उत्सव में भाग लेने के लिए भारत से यात्रा करेंगे। नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग ने जानकारी दी कि उसने भारत के सिख तीर्थयात्रियों के लिए 2800 से अधिक वीजा जारी किए हैं, जिन्हें 12 अप्रैल से शुरू होने वाले पाकिस्तान के वार्षिक उत्सव में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। उच्चायोग ने कहा कि बैसाखी समारोह की पूर्व संध्या पर नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग ने 12-21 अप्रैल 2022 तक पाकिस्तान में होने वाले वार्षिक उत्सव में भाग लेने के लिए भारत के सिख तीर्थयात्रियों को 2,856 से अधिक वीजा जारी किए हैं। पाक उच्चायोग के प्रभारी डी अफेयर्स आफताब हसन खान ने ने यात्रियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा तीर्थयात्रियों को हार्दिक बधाई और उन्हें एक पुरस्कृत और पूर्ण यात्रा की कामना करते हैं। पाकिस्तान पवित्र धार्मिक स्थलों को संरक्षित करने और प्रदान करने में बहुत गर्व महसूस करता है। पाकिस्तान का ये कदम पड़ोसी देश

पाकिस्तानः खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 8 आतंकवादी ढेर, एक सैनिक भी मारा गया

में राजनीतिक संकट के बीच आया है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने प्रधानमंत्री खान की सलाह पर नेशनल असेंबली (संसद) को भंग कर दिया था, डिप्टी स्पीकर कासिम सूरी ने प्रीमियर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया था, जो 342 सदस्यीय निचले सदन में प्रभावी रूप से बहुमत खो चुके थे। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक आतंकवादी ठिकाने पर रात भर चलाए गए अभियान में आठ आतंकवादी मारे गए। कार्रवाई में एक पाकिस्तानी सैनिक की भी मौत हो गई। समाचार पत्र 'डॉन की खबर के अनुसार, 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा बुधवार को जारी एक बयान के मुताबिक दक्षिण वजीरिस्तान जिले के शिनवारसाक इलाके में जानकारी के आधार पर एक अभियान (आईबीओ) चलाया गया, जिसमें सुरक्षाकर्मियों और आतंकवादियों के बीच भीषण गोलीबारी हुई।

चीन ने उइगरों को पहुंचाई ठेस, चीनी प्रचार वीडियो में ग्रैंड कुका मस्जिद का किया अपमान

एजेंसी, बीजिंग। चीन में शी जिनपिंग की सरकार द्वारा मुसलमानों पर अत्याचार खबरें आम बात है। चीन सरकार ने उइगर मुसलमानों की धार्मिक पहचान खत्म करने पर तुली है और इसके लिए अभियान चलाया हुआ है। चीन द्वारा उइगरों के अपमान व उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नया मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चान के राज्य प्रायोजित प्रचार वीडियो के माध्यम से उइगरों की सांस्कृतिक विरासत को कम करने और शिजियांग क्षेत्र में ऐतिहासिक संबंधों को धुंधला करने की कोशिश की गई है। बिटर विंटर के अनुसार वीडियो में देखा जा सकता है कि एक महिला शिनजियांग में दूसरी सबसे बड़ी ग्रैंड कुका मस्जिद में बौद्ध फैशन में घूमती है, यह साबित करने के लिए कि उइगर इस्लाम बौद्ध धर्म से आया है। महिला कहती है कि, याद रखें जहां से उइगर आए थे वे हमारे जैसे ही हैं। बिटर विंटर के अनुसार, बौद्ध-मुस्लिम धार्मिक केंद्र के रूप में

झिंजियान की ग्रैंड कुका मस्जिद हान चीनी इतिहास और संस्कृति के साथ अटूट रूप से जुड़ी हुई है, जिसमें केंद्रीय प्रार्थना कक्ष के स्तंभों के बीच एक बौद्ध नर्तक निर्वासित उइगरों को अपमानित करता है।यह न केवल चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का एक और प्रयास है, बल्कि इस क्षेत्र में उइगर विरासत को नष्ट करने का भी एक कदम है।ब्रिटेन में रह रहे निर्वासित कवि अजीज ईसा एलकुन कहते हैं कि यह उनके धर्म का घोर अपमान है। उनकी सांस्कृतिक जड़ों को तोड़ा जा रहा है और उनके धर्म का मजाक उड़ाया जा रहा है । मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शिजियांग में उइगरों को न सिर्फ टोपी पहनने, घरों में कुरान रखने से रोका जा रहा है बल्कि अब मस्जिदों को गिराना भी शुरू कर दिया गया है। मुस्लिम बहुल शिनजियांग के अतुश सुंथग गांव में एक मस्जिद को पब्लिक टॉयलेट में बदल दिया गया जबकि दो मस्जिदों को गिरा दिया गया है।

भारत ने विश्वस्तरीय डिजिटल ढांचा तैयार किया

दूसरे देश ले सकते हैं सबक : आईएमएफ

एजेंसी, नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने कहा है कि भारत ने व्यापक उपयोग वाला एक विश्वस्तरीय डिजिटल सार्वजनिक ढांचा खड़ा किया है जो दूसरे देशों के लिए भी अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन में बदलाव लाने का सबक हो सकता है। डिजिटल सार्वजनिक ढांचे के तहत विशिष्ट पहचान (आधार), यूपीआई और आधार-समर्थित भुगतान सेवा के साथ डिजिलॉकर एवं खाता एग्रिगेटर जैसे डेटा विनिमय की व्यवस्था शामिल है। आईएमएफ के एक कार्य-पत्र में कहा गया है कि भारत में तीनों तरह के डिजिटल सार्वजनिक ढांचे मिलकर तमाम सार्वजनिक एवं निजी सेवाओं तक ऑनलाइन,

कागज-रहित, नकदी-रहित और निजता को अहमियत देने वाली डिजिटल पहुंच सुनिश्चित करते हैं। आईएमएफ के मुताबिक, इस ढांचे में किए गए निवेश के लाभ देशभर में महसूस किए जा रहे हैं और इसने महामारी के दौर में भारत को खासी मदद पहुंचाई। आधार ने सरकारी खजाने से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी राशि पहुंचाकर सरकारी धन की बर्बादी रोकी, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई और अधिक परिवारों तक पहुंच बनाने का एक जरिया बना। भारत सरकार का अनुमान है कि मार्च, 2021 तक डिजिटल सार्वजनिक ढांचे की वजह से सकल घरेलू उत्पाद के करीब 1.1 प्रतिशत व्यय की बचत हो पाई। आईएमएफ कार्य-पत्र कहता है कि महामारी के शुरुआती दिनों में करीब 87 प्रतिशत परिवारों को कम-से-कम एक लाभ मिला था। इसके अलावा खाता एग्रिगेटर के जरिये वित्तीय सेवाओं तक पहुंच आसान होने से करीब 45 लाख लोगों एवं कंपनियों को भी लाभ पहुंचा है।इसके मुताबिक, डिजिटलीकरण की प्रक्रिया ने अर्थव्यवस्था संगठित बनाने में मदद की है। जुलाई, 2017 से लेकर मार्च, 2022 के दौरान करीब 88 लाख नए करदाताओं के पंजीकृत होने से सरकारी राजस्व में भी वृद्धि हुई। इन तमाम खूबियों के बावजूद आईएमएफ का कार्य-पत्र भारत में डेटा सुरक्षा के बारे में एक समग्र कानून के अभाव का जिक्र करते हुए कहता है कि नागरिकों की निजता के संरक्षण और डेटा सेंधमारी की स्थिति में सरकार एवं कंपनियों को जवाबदेह ठहराने वाली एक सशक्त डेटा संरक्षण व्यवस्था जरूरी है।

खराब मौसम से फसल को नुकसान के बावजूद सरकार को गेहूं की रिकॉर्ड पैदावार की उम्मीद

एजेंसी, नयी दिल्ली। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि सरकार को 2022-23 में रिकॉर्ड 11.21 करोड़ टन गेहूं उत्पादन की उम्मीद है।गौरतलब है कि देश के कुछ हिस्सों में खराब मौसम से फसल को नुकसान के बावजूद सरकार को गेहूं की रिकॉर्ड पैदावार होने उम्मीद है। हालांकि, इससे फसल की गुणवत्ता कुछ हद तक प्रभावित हो सकती है। सरकार ने 2022-23 फसल वर्ष (जुलाई-जून) में 11.21 करोड़ टन का रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन का अनुमान लगाया है। कुछ राज्यों में गर्मी की लहर के कारण इससे

पिछले वर्ष में गेहूं का उत्पादन मामूली रूप से घटकर 10.77 करोड़ टन रह गया था। चोपड़ा ने कहा, ''पिछले दो सप्ताह में खराब मौसम के कारण गेहूं की फसल को कुछ नुकसान हुआ है।'' सचिव ने कहा कि मध्य प्रदेश में गेहूं की खरीद के लिए गुणवत्ता मानकों में ढील दी गई है और केंद्र जल्द ही पंजाब और हरियाणा में गेहूं की खरीद के लिए गुणवत्ता मानकों में ढील देने पर विचार करेगा। सरकारी एजेंसी एफसीआई और राज्य एजेंसियां कई राज्यों में खरीद शुरू कर चुकी हैं। केंद्र ने सोमवार को कहा था कि प्रमुख उत्पादक राज्यों में हाल की बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण गेहूं की फसल को लगभग 8-10 प्रतिशत नुकसान होने का अनुमान है। सरकार ने आगे कहा कि देर से बुवाई वाले क्षेत्रों में बेहतर उपज की संभावना से इसकी भरपाई हो सकती है।

टाटा स्टील ने 2022-23 में रिकॉर्ड परिचालन प्रदर्शन किया : सीईओ

एजेंसी, नयी दिल्ली। टाटा स्टील ने पिछले वित्त वर्ष में एक चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद रिकॉर्ड परिचालन प्रदर्शन किया। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन ने यह बात कही। कंपनी ने 2021-22 के 190.6 लाख टन के मुकाबले 2022-23 में 198.7 लाख टन इस्पात का उत्पादन किया। इस दौरान टाटा स्टील की बिक्री सालाना आधार पर बढ़कर 188.7 लाख टन हो गई, जो इससे पिछले साल में 182.7 लाख टन थी। नरेंद्रन ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा, ''टाटा स्टील ने चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद वित्त

वर्ष 2022-23 में रिकॉर्ड परिचालन प्रदर्शन किया।'उन्होंने कहा, ''हमारे मजबूत विपणन नेटवर्क और तेजतर्रार कारोबारी मॉडल ने हमें सभी खंड में बढ़त दर्ज करने में सक्षम बनाया। बीते वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान टाटा स्टील का उत्पादन बढ़कर 51.5 लाख टन हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 49 लाख टन था।

गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस ने सेबी के पास नए सिरे से जमा कराए आईपीओ दस्तावेज

एजेंसी, नयी दिल्ली । कनाडा के फेयरफैक्स समूह समर्थित गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) दस्तावेज नए सिरे से जमा कराए हैं। कंपनी ने शेयर मूल्य में वृद्धि पर शेयरधारक कर्मचारियों को उसकी अनुपात में भुगतान संबंधी अपनी योजना में बदलाव किया है। सेबी ने इससे पहले 30 जनवरी को गो डिजिट को आईपीओ दस्तावेजों का मसौदा लौटा दिया था और कंपनी को कुछ बदलाव के साथ दस्तावेज दोबारा दाखिल करने के लिए कहा था। हालांकि, संशोधित दस्तावेजों में कंपनी के आईपीओ के आकार में कोई बदलाव नहीं आया है। गो डिजिट के प्रस्तावित आईपीओ में 1,250 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे।

मौद्रिक समीक्षा बैठक के नतीजों से पहले शेयर बाजार गिरावट के रुख के साथ खुला

एजेंसी, मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक की चालू वित्त वर्ष की पहली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के नतीजों से पहले बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार नुकसान के साथ खुले। वैश्विक बाजारों के कमजोर रुख से भी बाजार में गिरावट रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 165.16 अंक टूटकर 59,524.15 अंक पर आ गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 45.5 अंक के नुकसान से 17,511.55 अंक पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, मारुति, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और नेस्ले के शेयर नुकसान में थे। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, भारतीय स्टेट बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर लाभ में थे।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे टूटा

एजेंसी, मुंबई ।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे टूटकर 81.95 पर खुला। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समीक्षा से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 42 पैसे उछलकर 81.90 पर बंद हुआ था।

रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रा-स्फीति अनुमान को घटाकर 5.2 प्रतिशत किया

एजेंसी, नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष (2023-24) के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान मामूली घटाकर 5.2 प्रतिशत कर दिया। हालांकि रिजर्व बैंक ने यह माना कि प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता बढ़ने से मुद्रास्फीति के मामले में भविष्य में जोखिम पैदा हो सकता है। फरवरी में हुई पिछली मौद्रिक समीक्षा में मुद्रास्फीति के 5.3 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया गया था। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने वित्त वर्ष 2023-24 की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक के नतीजों की घोषणा करते हुए कहा कि तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक के कच्चे तेल के उत्पादन को घटाने के फैसले से मुद्रास्फीति का परिदृश्य गतिशील बना हुआ है। दास ने कहा कि सामान्य मानसून के बीच यदि कच्चे तेल के दाम औसतन 85 डॉलर प्रति बैरल पर रहते हैं तो चालू वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति 5.2 प्रतिशत रहेगी।

जून तिमाही में मुद्रास्फीति के 5.1 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। सितंबर और दिसंबर तिमाही में यह बढ़कर 5.4 प्रतिशत पर पहुंच सकती है। उसके बाद मार्च, 2024 की तिमाही में इसके फिर से घटकर 5.2 प्रतिशत पर आने का अनुमान है। दास ने कहा कि जब तक मुद्रास्फीति संतोषजनक दायरे में नहीं आती है, केंद्रीय बैंक की इसके खिलाफ 'लड़ाई' जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि रबी फसल का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान है जिससे खाद्य वस्तुओं के दाम नरम होंगे। हालांकि मांग-आपूर्ति की सख्त स्थिति पशु चारे के दाम बढ़ने से इन गर्मियों में दूध के दाम ऊंचे स्तर पर बने रहेंगे। रिजर्व बैंक को मुद्रास्फीति चार प्रतिशत (दो प्रतिशत ऊपर या नीचे) के दायरे में रखने का लक्ष्य दिया गया है। खुदरा मुद्रास्फीति दो माह से रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर से ऊपर बनी हुई है। फरवरी में यह 6.44 प्रतिशत पर थी। गवर्नर ने कहा कि प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियां भविष्य में मुद्रास्फीति के लिए जोखिम पैदा कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजार में बढ़ती अनिश्चितता और आयातित मुद्रास्फीतिक दबाव पर भी नजदीकी नजर रखने की जरूरत है।

स्टार्टअप वे-कूल का 2024-25 तक 6,000 करोड़ रुपये की इकाई बनने का लक्ष्य

एजेंसी, मुंबई। आईएफ सी समर्थित वे-कूल फूड्स का अपने तेजी से बढ़ते खाद्य उत्पाद कारोबार के चलते वित्त वर्ष 2024-25 तक 6,000 करोड़ रुपये की इकाई बनने का लक्ष्य है। वे-कूल कृषि वाणिज्य स्टार्टअप कंपनी है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का राजस्व 2,000 करोड़ रुपये रहा है। वाहन उद्योग के दिग्गज कार्तिक जयरामन और अशोक लेलैंड के पूर्व प्रमुख विनोद दसारी के पुत्र संजय दसारी ने वर्ष 2015 में चेन्नई में वे-कूल की स्थापना की थी। इसकी स्थापना एक सामाजिक उद्यम और कृषि-तकनीक कंपनी के रूप में की गई थी।बाद में यह विभिन्न ब्रांड मसलन मधुरम, डेजी फ्रेश, लेक्सोटिक, किचनजी और फ्रेशी के साथ कई कृषि उत्पाद और रेडी-टू-कुक बाजार में भी उतर गई।इन ब्रांड का पिछले वित्त वर्ष (2022-23) में कंपनी के 2,000 करोड़ रुपये के राजस्व में लगभग 25 प्रतिशत तक का योगदान रहा। यह इससे पिछले वित्त वर्ष में 10 प्रतिशत था। वे-कूल के सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक जयरामन को वित्त वर्ष 2024-25 तक इसके 35-40 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है। कंपनी का 6,000 करोड़ रुपये के कारोबार वाली इकाई बनने का लक्ष्य है। जयरामन ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, ''हमने बीते वर्ष में 2,000 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया है।

यूएन ने कहा- अफगान महिलाओं को काम से रोकने का तालिबानी फैसला मंजूर नहीं

एजेंसी, संयुक्त राष्ट्र ।संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि अफगान महिला कर्मचारियों को एजेंसी में काम करने से रोकने के तालिबान के फैसले को स्वीकार नहीं किया जा सकता और यह निर्णय महिलाओं के अधिकारों का घोर उल्लंघन है। इसके एक दिन पहले संयुक्त राष्ट्र ने कहा था कि अफगानिस्तान में सत्तारूढ़ तालिबान ने उसे सूचित किया है कि वैश्विक निकाय के लिए अफगान महिलाओं के काम करने पर रोक लगा दी गई है। उससे पहले, संयुक्त राष्ट्र मिशन ने उसकी महिला कर्मचारियों को पूर्वी नांगरहार प्रांत में काम करने से रोकने की खबरों पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी।

तालिबान ने मानवीय सहायता के वितरण को बाधित करते हुए अफगान महिलाओं के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठनों के लिए काम करने पर भी रोक लगा दी है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र के लिए काम करने पर रोक नहीं थी। लेकिन तालिबान ने पुराने आदेश को इस सप्ताह बदल दिया। संयुक्त राष्ट्र मिशन ने बुधवार को कहा कि तालिबान के आदेश के अनुसार किसी भी अफगान महिला को अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के लिए काम करने की अनुमति नहीं होगी और यह कदम प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र ने एक बयान में कहा कि यह प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार गैरकानूनी है और वैश्विक निकाय इसे स्वीकार नहीं कर सकता। निकाय ने बुधवार को जारी अपने बयान में कहा कि तालिबान का फैसला महिलाओं के अधिकारों का, मानवीय सिद्धांतों का और अंतरराष्ट्रीय नियमों का घोर उल्लंघन है। तालिबान ने अपने इस कदम पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र की कई महिला कर्मियों ने पहले ही अपनी आवाजाही पर रोक का अनुभव किया है जिनमें उत्पीड़न, धमकी और हिरासत में लिया जाना शामिल हैं। बयान के अनुसार इसलिए, संयुक्त राष्ट्र ने अफगानिस्तान में अपने सभी कर्मचारियों (पुरुषों और महिलाओं दोनों) को अगली सूचना तक कार्यालय नहीं आने का निर्देश दिया है। तालिबान के फैसले की दुनिया के कई संगठनों ने निंदा की है। सेव द चिल्ड्रन, नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल, डेनिश रिफ्यूजी काउंसिल, एक्शन अगेंस्ट हंगर और वर्ल्ड विजन आदि संगठनों ने एक संयुक्त बयान में अफगान महिला कर्मियों पर लगे प्रतिबंध को हटाने का आग्रह किया है।

क्या आमिर खान की डिमांड पूरी करेंगे, बिग स्क्रीन पर वापसी के लिए एक्टर ने की ये खास डिमांड

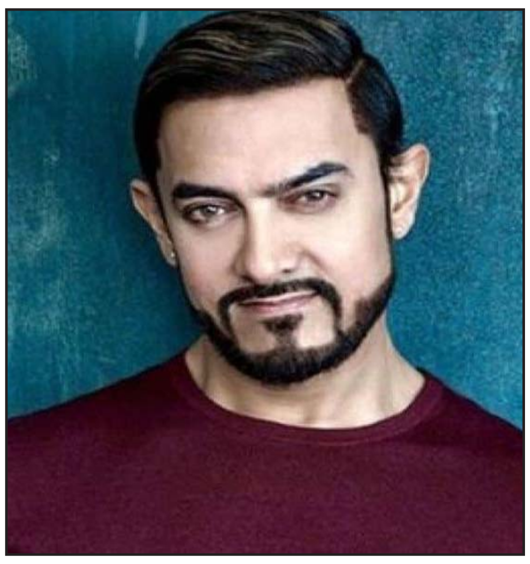

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर खान चुनिंदा फिल्मों में ही नजर आते हैं। एक्टर काफी समय के बाद किसी फिल्म को साइन करते है और उसपर काम शुरू करते हैं। वही आमिर खान का इस वक्त बॉलीवुड करियर थोड़ा बहुत डगमगाते हुए भी नजर आ रहा हैं। जहां एक्टर की आखिरी रिलीज हुई मूवी लाल सिंह चड्ढा का दर्शकों का ज्यादा प्यार नहीं मिलने की वजह से फिल्म फ्लॉप की लिस्ट में चली गयी थी। बावजूद इसके अब एक बार फिर से आमिर परदे पर वापसी करना चाहते हैं। दरअसल आमिर खान की आखिर फिल्म लाल सिंह चड्ढा के फ्लॉप होने के बाद से आमिर बुरी तरह से टूट गए थे। दरअसल एक्टर की इस फिल्म से काफी उमीदे जुडी हुई थी। लेकिन अब आमिर ने अपने पसंदीदा फिल्म धूम में एक बार फिर से काम करने की इच्छा जताई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जल्द ही आमिर खान 'धूम 4' में नजर आ सकते हैं। हाल ही में आमिर ने यश राज फिल्म्स से एक्शन फिल्म 'धूम' की सीरीज का सीक्वल बनाने और फिल्म के करैक्टर्स 'साहिर' और 'समर' को स्क्रीन पर वापस लाने की रिक्वेस्ट की है। बता दे की 'पठान' के सक्सेस के बाद यश राज स्पाई यूनिवर्स की 'टाइगर 3' भी मेकिंग में है। इस वजह से आमिर ने आदित्य चोपड़ा से धूम के सीक्वल के रिलीज की रिक्वेस्ट की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आमिर खान धूम के सीक्वल में अपने कैरेक्टर को भी वापस लाना चाहते हैं। बता दे की 'लाल सिंह चड्ढा' के फ्लॉप होने के बाद आमिर अपनी फिल्मों को लेकर पिकी हो गए हैं। आमिर ने स्पेनिश फिल्म 'कैम्पियोनिस' के हिंदी रीमेक में काम करने से लास्ट मिनट में मना कर दिया।वही इसके पीछे की वजह बताते हुए आमिर ने कहा था की श्वो इस वक्त अपने परिवार के साथ वक्त बिताना चाहते है इस वजह से काम से थोड़ी दुरी रखने की सोच रहे हैश् बता दे की आमिर ने बॉलीवुड को कई हिट और शानदार फिल्में दी हैं। जो आज भी उनके फैंस के दिलों दिमाग में जिंदा हैं। यही कारण है की आमिर स्क्रिप्ट चुनने में थोड़ा ज्यादा टाइम लेते हैं।

»» बॉलीवुड ««

कृति खरबंदा ने खुद को गिफ्ट की एक बेहद एक्सपेंसिव कार, कीमत इतनी की आम इंसान खरीद ले 2 बीएचके का फ्लैट

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि बॉलीवुड सेलेब्स एक शानदार जीवन जीते है। वह हमेशा अपने चमकदार लाइफजीने के लिए जाने जाते हैं। लक्जरी कार का मालिक होना उनकी जीवन शैली को प्रूफकरने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे ही अभिनेत्री कृति खरबंदा ने भी आज खुद को एक शानदार नई कार गिफ्ट में देते हुए ये साबित कर दिया हैं। अभिनेत्री के साथ उनके प्रेमी पुलकित सम्राट लैंड रोवर रेंज रोवर वेलार 2.0 आर-डायनामिक एस डीजल में वापस ड्राइव कर रहे थे। कार की कीमत 89.41 लाख लगभग बताई जा रही हैं। पिछले कुछ सालों में कृति खरबंदा ने ओटीटी पर अपनी शानदार परफॉरमेंस दिखाई हैं। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने साझा किया था कि, मुझे लगता है कि हर अवसर, चाहे प्लेटफॉर्म कोई भी हो, एक बहुत अच्छी बात है, और किसी को भी इसे उसी रूप में लेना चाहिए। निजी तौर पर, मैं हर प्रोजेक्ट पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने में विश्वास करता हूं। मैं परिणामों या प्रतिक्रिया को नियंत्रित नहीं कर सकती, लेकिन मैं निश्चित रूप से अपना 100 प्रतिशत दे सकती हूं। ऐसा कहने के बाद, प्रत्येक अभिनेत्री यह दिखाने का अवसर तलाशता है कि वे क्या अच्छे हैं। तथ्य यह है कि लोग ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फिल्में और शो देखना अधिक स्वीकार कर रहे हैं, इसने हमारे लिए चीजों को बदल दिया है। इसकी वजह से हमें और मौके मिल रहे हैं। उद्योग परिवर्तनों के अनुकूल होगा, लेकिन इस बीच, एक अभिनेता के रूप में, मैं केवल यही कामना करती हूं कि दर्शक हमें जिस भी मंच पर पसंद करते हैं, उसे देखते रहें। शादी में जरूर आना फैम एक्ट्रेस कृति खरबंदा के पास अब एक सफेद रंग की रेंज रोवर वेलार है। मौके पर कृति अपने लॉन्ग टर्म ब्वॉयफ्रेंड पुलकित सम्राट के साथ नजर आई। नई कार में घर वापस जाते समय दंपति सभी मुस्कुरा रहे थे। कार्गो पैंट के साथ हल्के हरे रंग के स्लीवलेस टॉप में कृति फ्रेश दिखीं। जबकि पुलकित ने ब्लू जींस के साथ ब्लैक टी पहन रखी थी। कृति खरबंदा और पुलकित सम्राट ने वीरे की वेडिंग और पागलपंती जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। हालांकि, यह पहली बार नहीं हुआ है जब कृति ने खुद के लिए कोई कार खरीदी है। इससे पहले भी एक्ट्रेस ने 2017 में अपने माता-पिता और खुद को एक शानदार कार गिफ्ट की थी। वहीं वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति खरबंदा ने इमरान हाशमी के साथ विक्रम भट्ट की फिल्म राज रीबूट से बॉलीवुड डेब्यू किया था। उनकी अन्य बॉलीवुड फिल्मों में कार्तिक आर्यन के साथ गेस्ट इन लंदन, राजकुमार राव के साथ शादी में जरूर आना, बॉबी देओल के साथ यमला पगला दीवाना फिर से और कई और फिल्में शामिल हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार विक्रांत मैसी के साथ देवांशु सिंह द्वारा निर्देशित फिल्म 14 फेरे में देखा गया था. वह साउथ फिल्मों बोनी, चिरु, तीन मार, ओम 3डी, शितरुपति एक्सप्रेस, सुपर रंगा में भी नजर आ चुकी है।

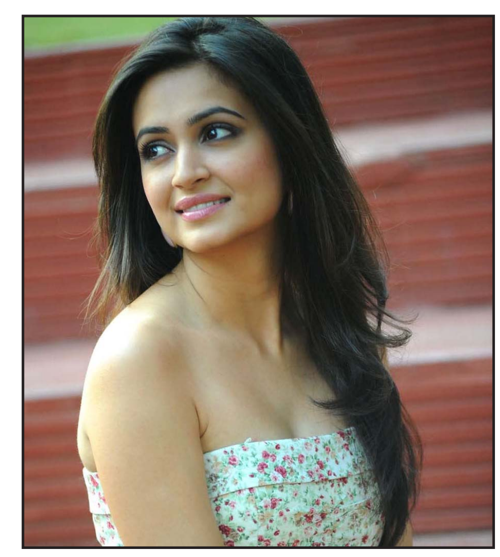

ट्रक ड्राइवर बनने से पहले ऑटो चला चुके अजय देवगन और बच्चन का सामने आया अनसुना किस्सा

इंडस्ट्री के बदलते दौर में बड़ी तेजी से हिंदी सिनेमा डेवलप होता नजर आ रहा है वही आजकल अभिनेता खुद को बेहतर से बेहतरीन बनाने के लिए और लोगो का मनोरंजन करने के लिए किसी भी हुड तक जा रहे है और उसमे फिर चाहे किरदार कोई भी हो अभिनेता हो या अभिनेत्री दोनों तुरंत कुछ भी भूमिका निभाने के लिए हां कर देते है। ऐसे में हमने हाल ही आयी फिल्म भोला में बॉलीवुड के सिंघम कहे जाने वाले अजय देवगन को देखा जिन्होंने अपने निर्देश में बनी फिल्म में एक ट्रक ड्राइवर की भूमिका निभाई पर दिलचस्प बात ये है कि रील लाइफमें ट्रक की सवारी करने वाले अजय देवगन असल जिंदगी में ऑटो भी चला चुके हैं। अजय देवगन की जिन्दगी में जुड़े वैसे तो कई किस्से है जिनको जानकार शायद आपकी हसी ना रुके ऐसा

ही एक किस्सा आज हम आपको बताने वाले है दरअसल जब अजय देवगन और अमिताभ बच्चन साल 1998 में अपनी फिल्म श्मेजर साब की शूटिंग कर रहे थे तो उस दौरान अजय ने बिग बी को एक पार्टी में चलने का ऑफर दिया जिसको महानायक ने आराम से कबूल कर लिया। लेकिन उसके बाद दोनों जैसे अपना काम खत्म करके पार्टी के लिए निकले वहा पहुंचने के बाद अजय और अमिताभ ने अपने ड्राइवर्स को खाना खाकर लौटने के लिए कहा, लेकिन फिर कुछ ऐसा हुआ, जिसने अजय देवगन को नानी याद दिला दी। दरअसल जैसे ही दोनों बहार निकले वहां ड्राइवर्स का कोई आता पता नहीं था फिर दोनों महानायकों को शहीद और प्रियंका की फिल्म श्रात के ढाई बजे कोई शहनाई बजे..दिल का बाजार लगा...ढेला तक पाई बजे... का गण याद आता है। जैसे ही इन्होने गाना शरू किया तो आस पास उनके फैंस वह इकठ्ठा होने लगे फिर दोनों को लगा आज बड़ी मुश्किल में फस गए ऐसे में अजय देवगन ने फुर्ती से एक्शन लेते हुए पास खड़े ऑटो ड्राइवर को 500 रुपये और उस होटल का पता दिया, जहां दोनों रुके हुए थे। कहानी यही खत्म नहीं हुई, ऑटो मिलने के बाद अजय डिवॉन ने ऑटो ड्राइवर से चाबी लेकर ड्राइव करते हुए नफीसा अली और सोनाली बेंद्रे को पीछे वाली सीट पर बैठने के लिए कहा और ऑटो ड्राइव किया।

»» बॉलीवुड ««

माहिरा शर्मा की इस हरकत से टूटा उनका और पारस छाबड़ा का रिशता, ये है ब्रेकअप की वजह

हाल ही में टीवी इंडस्ट्री से एक बेहद चौंका देने वाली खबर सामने आई है। बीते दिन ये रिपोर्ट्स सामने आई कि अब टीवी के एक मशहूर कपल पारस छाबड़ा और माहिरा शर्मा का ब्रेकअप हो गया है। ये जोड़ी टूटने की खबर फैंस के लिए किसी सदमे से कम नहीं है। हर कोई इस वक्त शॉक में है और ये जानना चाहता है कि इन खबरों में कितनी सच्चाई है और अगर ये सच है तो इनका रिश्ता टूटने के पीछे कारण क्या है ?आपको बता दें, मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि अब पारस और माहिरा की राहें हमेशा के लिए अलग हो गई हैं। इतना ही नहीं दोनों ने एक-दूसरे को सोशल मीडिया से अनफॉलो भी कर दिया है और माहिरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पारस के साथ सभी पोस्ट भी डिलीट कर दिए। वहीं, अब इनके बीच आए इस फासले की वजह को लेकर एक अपडेट सामने आया है। खबरों के मुताबिक करियर को लेकर दोनों काफी बिजी चल रहे हैं और एक-दूसरे को वक्त नहीं दे पा रहे थे। इसके अलावा ये भी कहा जा रहा है कि माहिरा शर्मा इस रिश्ते को लेकर कुछ ज्यादा ही पॉजेसिव हो रही थीं। रिपोर्ट्स की मानें तो, पिछले 3-4 महीने से दोनों एक-दूसरे से बात तक नहीं कर रहे थे। अब पारस छाबड़ा के माहिरा शर्मा के साथ ब्रेकअप का कारण एक्ट्रेस की पॉजेसिवनेस बताया गया है। कहा जा रहा है कि पारस छाबड़ा- माहिरा की पॉजिसेवनेस से तंग आ चुके थे। माहिरा बार-बार पारस को कंट्रोल करने की कोशिश करती थीं और ये बात उन्हें बिल्कुल भी रास नहीं आ रही थी। माहिरा सिफ' खुद के साथ म्यूजिक वीडियो बनाने का पारस पर जोर देती थीं। यहां तक कि माहिरा-पारस को दूसरी फीमेल एक्ट्रेसेज से बात करने से भी रोकती थीं। जानकारी के मुताबिक, पारस के करियर ग्रोथ में माहिरा शर्मा रुकावट बनती जा रही थीं। जिसके बाद पारस ने उनसे किनारा करना ही सही समझा। वहीं, अब चंम्पतं की जोड़ी टूटने की खबर से उनके फैंस काफी दुखी नजर आ रहे हैं।

हमारा बैकग्राउंड अलग है...'18 साल छोटी गर्लफ्रेंड मुग्धा गोडसे संग रिश्ते पर ये क्या बोल गए

एक्टर राहुल देव हिंदी सिनेमा का जाना-माना नाम है। एक्टर ने अपनी फिल्मी करियर में चौंपियन, अशोका, फुटपाथ, तोरबाज और कई और दिलचस्प फिल्मों में काम किया है। राहुल अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ अपनी फिटनेस के लिए भी जाने जाते हैं। राहुल और फिल्म फैशन में नजर आई एक्ट्रेस मुग्धा गोडसे पिछले काफी सालों से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हाल ही में एक्टर ने एक्ट्रेस संग अपने रिश्ते और अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में खुलकर बात की। राहुल देव और उनकी गर्लफ्रेंड मुग्धा के बीच उम्र की एक लंबी दीवार है मगर उस दीवार का उनके रिश्ते पर खास असर देखने को नहीं मिलता है। राहुल अपनी गर्लफ्रेंड से उम्र में 18 साल बड़े हैं ऐसे में हाल ही में दिए इंटरव्यू में बताया कि मुग्धा और अपने बीच के बॉन्ड के बारे में बातचीत की। एक्टर से जब पूछा गया कि आपको क्या लगता है कि आपके रिश्ते का सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा क्या रहा है इस पर एक्टर ने कहा कि उम्र के फासले के बारे में कुछ भी चौलेंजिंग नहीं है। हमारा पूरी तरह से अलग बैकग्राउंड है। मैं उत्तर और मध्य भारत से हूं और उनकी जड़ें मराठी हैं। मैंने देश के बेहतरीन स्कूलों से पढ़ाई की है। उनकी स्कूली शिक्षा अच्छी थी लेकिन वो सेल्फ एजुकेटेड भी थीं, जो एक दुर्लभ गुण है। हमारा ये बॉन्ड काफी अलग है। इसी के साथ एक्टर ने बताया कि फिल्मों में हमारे एक जैसे इंट्रेस्ट के अलावा, हम दोनों के बीच एक बहुत स्ट्रांग स्पिरिचुअल कनेक्शन है, जो हमारे स्पिरिचुअल गुरु तरनिव जी के लिए धन्यवाद है, जो हमारे लिए दुनिया हैं। हम दोनों को ट्रेवल करना पसंद है और हम दोनों ही समंदर किनारे के लोग हैं। राहुल से मुग्धा की पहली मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड की शादी में हुई थी।

स्टार एक्सप्रेस
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक नरेन्द्र कुमार द्वारा सांई ऑफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन, कैसरबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं एमजी-18, सेक्टर-सी, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक: नरेन्द्र कुमार । (पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. No.- UPHIN/2008/24076 Email Id : starexpressnews@gmail.com

CMYK